सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

टी20 विश्वकपः अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक पेज: 7

प्रियंका चोपड़ा? फिल्म में कास्टिंग को लेकर दिया हिंट पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 310 | गुरुवार 19 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मुख्य आरोपी थंत्री कंथार राजीवर को मिली जमानत, आस्था से खिलवाड़ का आरोप

नई दिल्ली एजेंसीः कोल्लम विजिलेंस कोर्ट ने बुधवार को सबरीमाला सोना चोरी मामले में थंत्री कंथार राजीवर को जमानत देने का आदेश जारी किया। जमानत में कट्टिलापल्ली और द्वारापालका मूर्ति मामलों से जुड़ी अर्जियाँ शामिल हैं। इसके साथ ही, राजीवर इस मामले में जमानत पाने वाले छठे आरोपी बन गए हैं, उनसे पहले उन्नीकृष्णन पोट्टी, वासु और मुरारी बाबू को जमानत मिल चुकी है। उन्हें 9 जनवरी को गिरफ़्तार किया गया था और वह 90 दिन पूरे होने से पहले जमानत पाने वाले दूसरे आरोपी हैं। इससे पहले, पूर्व एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एस श्रीकुमार को भी जमानत मिल चुकी थी। जमानत का डिटेल्ड आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा। इस बीच, भारत का सुप्रीम कोर्ट 7 अप्रैल को नौ जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच के सामने लंबे समय से पेंडिंग सबरीमाला मंदिर एंट्री मामले और उससे जुड़े मामलों की सुनवाई शुरू करने वाला है।

फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो से मिलने के बाद बोले पीएम मोदी, हमारा मकसद ट्रेड को दोगुना करना

नई दिल्ली एजेंसीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात को दोनों देशों के लिए काफी अहम माना। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, फिनलैंड के प्रधानमंत्री, पेटेरी ओर्पो के साथ लंबी बातचीत हुई। भारत-ईयू एफटीए को उनके व्यक्तिगत तौर पर की गई मदद के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, इससे भारत-यूरोप रिश्तों में एक सुनहरा दौर शुरू होगा। उन्होंने आगे लिखा कि भारत और फिनलैंड का मकसद ट्रेड को दोगुना करना है, जिससे आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी।

हमने 6जी, इनोवेशन, क्लीन एनर्जी, बायोफ्यूल, और सर्कुलर इकॉनमी जैसी फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बात की। फिनलैंड के प्रधानमंत्री के साथ पीएम मोदी ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट और डिजिटलीकरण, एआई रिसर्च और एथिकल इनोवेशन में सहयोग पर चर्चा की और यह भी बताया कि भारतीय प्रतिभा द्विपक्षीय सहयोग को कैसे मजबूत कर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के क्षेत्र में उभरते इनोवेशन प्लेयर के रूप में फिनलैंड के प्रयासों की सराहना की। दोनों नेताओं ने जिम्मेदार, टैलेंट-ड्रिवन एआई को बढ़ावा देने और सस्टेनेबल भविष्य के लिए टेक-इनेबिल्ड सॉल्यूशन्स का उपयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। 16 फरवरी से 20 फरवरी के बीच एआई इम्पैक्ट समिट 2026 आयोजित हो रही है। इस 5 दिवसीय एआई महासम्मेलन में टेक दिग्गजों के अलावा कई देशों के राजनीतिज्ञ और शीर्ष नेता भी जुड़ रहे हैं। पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख और 60 मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा, सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद और शोधकर्ता सहित 500 से अधिक वैश्विक एआई नेता भी इसमें शामिल होंगे। पीएम मोदी ने 16 फरवरी की शाम एआई इंपैक्ट समिट एक्सपो का उद्घाटन किया था और वहां विभिन्न स्टालों को अवलोकन करके देश के स्टार्टअप्स और स्थापित संस्थानों की एआई के मोर्चे पर प्रगति को सराहा था। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में राष्ट्राध्यक्ष और सरकारी अधिकारी, मंत्री, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेता, बड़े शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ मिलकर समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

इसके अलावा, सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद

इस 5 दिवसीय एआई महासम्मेलन में टेक दिग्गजों के अलावा कई देशों के राजनीतिज्ञ और शीर्ष नेता भी जुड़ रहे हैं। पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख और 60 मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा, सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद और शोधकर्ता सहित 500 से अधिक वैश्विक एआई नेता भी इसमें शामिल होंगे।

जॉर्ज सोरोस पर घिरी भाजपा? पवन खेड़ा ने किरेन रिजिजू से पूछा - किस मंत्री ने की मुलाकात?

नई दिल्ली एजेंसीः कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू को चुनौती दी कि वे सार्वजनिक रूप से यह घोषित करें कि भाजपा के किसी भी मंत्री ने जॉर्ज सोरोस से मुलाकात नहीं की है, और न ही किसी नेता के बच्चे सोरोस द्वारा वित्तपोषित संगठनों में काम करते रहे हैं या कर चुके हैं। उन्होंने पार्टी पर अपने सदस्यों को सोरोस से जोड़ने वाले आरोपों को लेकर सवाल उठाए। एएनआई से बात करते हुए खेड़ा ने कहा कि किरेन रिजिजू से कहिए, और मैं उन्हें चुनौती देता हूं, कि वे सार्वजनिक रूप से यह कहें कि भाजपा के किसी भी मंत्री ने सोरोस से मुलाकात नहीं की है। दूसरा, भाजपा नेताओं के बच्चों का एक भी उदाहरण ऐसा नहीं है जो सोरोस द्वारा वित्तपोषित संगठनों में

काम कर रहा हो या कर चुका हो। मैं उन्हें चुनौती देता हूं। ये टिप्पणियां तब आईं जब रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की हालिया राजनीतिक विवादों के बाद उनके व्यवहार को बचकाना और गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए उनकी आलोचना की। एएनआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में केंद्रीय संसदीय कार्य समिति के नेता ने कहा कि उनका व्यवहार बचकाना और उनकी स्थिति के हिसाब से गैरजिम्मेदाराना है। विपक्ष का नेता पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करता है। सदन से बाहर जाना, लोगों को देशद्रोही कहना, दिखावटी धरने देना और अप्रकाशित पुस्तक पढ़ने पर जोर देना, यह सब बचकाना व्यवहार है। हमने भारत के इतिहास में ऐसा विपक्ष का नेता कभी नहीं देखा। रिजिजू ने आगे कहा कि राहुल गांधी भारत की सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक व्यक्ति बन गए हैं। क्योंकि वे भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। वे देश-विदेश में नक्सलवादियों, चरमपंथियों, विचारधारावादियों और जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों से मिलते हैं। मंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर संसद की परंपराओं का पालन न करने और कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में शोर-शराबा और हंगामा तो हमेशा होता ही हैः हर पार्टी का अपना एजेंडा होता है और वह उसे सदन में आगे बढ़ाने की कोशिश करती है। यह अपने आप में कोई विफलता नहीं है। लेकिन हंगामे के साथ-साथ हमें उठाए जा रहे कदमों पर भी गौर करना होगा। विपक्ष में रहते हुए हमने स्पीकर पर कागज नहीं फेंके, सत्ता पक्ष के खिलाफ बैनर नहीं उठाए, और यही वजह है

नौकरियां में 3% कोटा से सैनिक स्कूल तक, जानें हिमंत मंत्रिमंडल के 5 बड़े और अहम फैसले

असम एजेंसीः असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि राज्य मंत्रिमंडल ने सरकारी नौकरियों में चाय बागान श्रमिकों और आदिवासी समूहों के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित कई पहलों की घोषणा की, जिनमें 2026-27 के लिए लेखा मतपत्र भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज असम विधानसभा में असम मंत्रिमंडल की बैठक हुई, और राज्य मंत्रिमंडल ने 2026-27 के लिए लेखा मतपत्र को मंजूरी दे दी है और राज्य के वित्त मंत्री अजंता नियोग को लेखा मतपत्र को राज्य विधानसभा में पेश करने की भी मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने

आगे कहा कि असम मंत्रिमंडल ने आज चाय बागान और आदिवासी लोगों के लिए सरकारी ग्रेड क और क्क की नौकरियों में 3 प्रतिशत आरक्षण करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना की पहली किस्त वितरित कर दी गई है और मंत्रिमंडल ने 1 लाख से अधिक नए लाभार्थियों को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना के तहत राज्य की 32 लाख महिलाओं को 10,000 रुपये की पहली किस्त दे दी है। हमने पाया है कि कुछ वास्तविक लाभार्थियों ने योजना से धनराशि प्राप्त करना छोड़ दिया है। राज्य मंत्रिमंडल ने आज 1,03,500 नए लाभार्थियों को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि मंत्रिमंडल ने लांगवोकु में असम के दूसरे सैनिक विद्यालय की स्थापना के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम मंत्रिमंडल ने आज कार्बी आंगलोंग के लांगवोकु क्षेत्र में असम के दूसरे सैनिक विद्यालय की स्थापना के लिए 335 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री ने इससे पहले घोषणा की थी कि असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह 22 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगे, जो आगामी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है। यह घटना भूपेन कुमार बोराह द्वारा कांग्रेस से इस्तीफा सौंपने के एक दिन बाद हुई है। बोराह के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए

बुलडोजर से माफिया साफ, ब्रह्मोस से दुश्मन सीएम योगी ने गिनाए सरकार के काम

लखनऊ एजेंसीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर को राज्य की शक्ति का प्रतीक बताया, जो एक्सप्रेसवे नेटवर्क सहित तीव्र अवसंरचना विकास और माफिया तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बुलडोजर और ब्रह्मोस एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधाभासी नहीं। उन्होंने कहा कि बुलडोजर उन लोगों की इच्छाशक्ति को दर्शाता है जो राज्य में आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के बारे में यूपी सीएम ने इसे भारत की रणनीतिक शक्ति का प्रतीक बताया। विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई भी भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास करता है, तो देश निर्णायक जवाब देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल

में भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जबकि पाकिस्तान उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की बराबरी भी नहीं कर सकता। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नपिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक नई यात्रा शुरू की है। देश और दुनिया इस बात को स्वीकार करते हैं कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है। दुर्भाग्य से, संकीर्ण एजेंडा चलाने वाली सरकारों ने राज्य के भविष्य और यहां की जनता के साथ समझौता किया है। उन्होंने राज्य को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि दो इंजन वाली सरकार की स्पष्ट नीतियों, इरादों और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण हमने उत्तर प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था में एक बाधा से एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश अब राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 21 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है

मध्य प्रदेश बजट पर सियासी घमासानः सीएम मोहन यादव ने गिनाईं उपलब्धियां, कांग्रेस ने बताया खोखला दस्तावेज

नई दिल्ली एजेंसीः मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को 2026-27 के राज्य बजट पर बोलते हुए समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनरुद्धार के लिए किए गए आवंटनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट समग्र, समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनरुद्धार पर केंद्रित है। हमने 2047 तक एक समृद्ध मध्य प्रदेश बनाने का संकल्प लिया है। हमने जर्जर पुलों और पुलियों की मरम्मत के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। 2028 के सिंहस्थ महोत्सव के लिए लगभग 13,851 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मोहन यादव ने आगे कहा कि हमने स्कूलों में बच्चों को भोजन के साथ दूध उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है और सरकार ने इसके लिए पांच वर्षों में 6,600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हमने बजट में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के लिए लगभग 24,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हम कोई भी योजना बंद नहीं कर रहे हैं; हम पर्याप्त धनराशि निवेश कर रहे हैं। वीबी-जी-राम-जी के लिए 28,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह बजट एक खुशहाल और समृद्ध मध्य प्रदेश का निर्माण करेगा। इस बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने पिछले वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धनराशि के कारण राज्य की आर्थिक चुनौतियों का हवाला देते हुए बजट की आलोचना की। एएनआई से बात करते हुए पटवारी ने कहा, "मध्य प्रदेश के बजट में लगभग 45 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। लेकिन पिछले वित्तीय वर्ष में हमें केंद्र सरकार से 50,000 करोड़ रुपये नहीं मिले। परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश सरकार 2025-26 के बजट का 50% भी खर्च नहीं कर पाई। इसका मतलब यह है

महाराष्ट्र में 5% मुस्लिम कोटा खत्म, सरकार ने 10 साल पुराना आरक्षण का फैसला पलटा

महाराष्ट्र एजेंसीः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े मुसलमानों को 5% आरक्षण देने के पहले के कदम को रद्द कर दिया है। यह कोटा मूल रूप से 2014 में एक ऑर्डिनेंस के जरिए लाया गया था। हालांकि, कानूनी अड़चनों के कारण यह पूरी तरह से लागू नहीं हो पाया। सरकार ने अब आधिकारिक तौर पर सभी संबंधित फैसले और सर्कुलर वापस ले लिए हैं। 2014 का फैसला क्या था और इसे कैंसिल क्यों किया गया? 2014 में राज्य सरकार ने एसबीसी-ए (स्पेशल बैकवर्ड क्लास-ए) नाम की एक स्पेशल बैकवर्ड कैटेगरी के तहत मुसलमानों को 5% रिजर्वेशन दिया था। यह कोटा सरकारी नौकरियों और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में लागू होना था। इस फैसले के आधार पर, एलिजिबल कैंडिडेट को कास्ट सर्टिफि केट और कास्ट वैलिडिटी सर्टिफि केट भी दिए

जा रहे थे। ऑर्डिनेंस के आने के तुरंत बाद इसे बॉम्बे हाई कोर्ट में चैलेंज किया गया था। 14 नवंबर, 2014 को हाई कोर्ट ने रिजर्वेशन पर स्टे लगा दिया था। बाद में, ऑर्डिनेंस 23 दिसंबर, 2014 की डेडलाइन से पहले कानून नहीं बन पाया। इस वजह से, यह अपने आप लैप्स हो गया। क्योंकि ऑर्डिनेंस को कभी भी सही कानून में नहीं बदला गया, इसलिए रिजर्वेशन लागू नहीं किया जा सका। मौजूदा सरकार ने अब साफ कर दिया है कि उस ऑर्डिनेंस के तहत जारी सभी सरकारी प्रस्ताव और सर्कुलर कैंसिल माने जाएंगे। इस फैसले से अब क्या बदलेगा? 5% मुस्लिम रिजर्वेशन अब ऑफिशियली कैंसल माना जाएगा। इस कैटेगरी के तहत कोई नया कास्ट या वैलिडिटी सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा। कॉलेज और एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन में 5% कोटे के तहत एडमिशन नहीं दिए जाएंगे। इस रिजर्वेशन से जुड़े पिछले सभी सरकारी ऑर्डर अब वैलिड नहीं होंगे।

बिहार राज्यसभा की 5 सीटों का गणित, एनडीए के चक्रव्यूह में फंसा राजद, बदलेगा सियासी समीकरण?

बिहार एजेंसीः बिहार में राजनीतिक हलचल मचने की आशंका है। राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनाव घोषित हो चुके हैं, जिनमें से तीन सीटें सत्तारूढ़ एनडीए के पास हैं। ऐसा लग रहा है कि गठबंधन बाकी बची सीटों को भी कमजोर विपक्ष से छीनने की स्थिति में है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू होगी और मतदान 16 मार्च को होगा। इनमें से दो सीटें फिलहाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के पास हैं। दोनों मौजूदा सांसद, केंद्रीय मंत्री और भारत रत्न कपूरी ठाकुर के पुत्र राम नाथ ठाकुर और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, लगातार दूसरी बार सांसद बने हुए हैं। गौरतलब है कि जेडीयू सुप्रीमो कुमार ने कुछ साल पहले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह को लगातार तीसरी बार सांसद बनने से रोक दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। उस समय पार्टी ने इस फैसले को यह कहकर सही ठहराया था कि किसी भी व्यक्ति को लगातार दो कार्यकाल से अधिक राज्यसभा

सीट न देना पार्टी की नीति है। पार्टी सूत्रों ने इस बात पर चुप्पी साध रखी थी कि क्या इस बार कोई अपवाद होने की संभावना है, क्योंकि घोषित नीति का पालन करने से दोनों मौजूदा सांसदों को उनके संवैधानिक पदों से वंचित होना पड़ेगा। एनडीए के पास मौजूद तीसरी सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के पास है, जो विवेक ठाकुर के लोकसभा चुनाव जीतने के कारण हुए उपचुनाव में भाजपा के समर्थन से 2025 में उच्च सदन में पहुंचे थे। हालांकि कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सहयोगी पार्टी है, जो शक्तिशाली ओबीसी जाति कोइरी के वोटों का एक बड़ा हिस्सा देने का वादा करती है। एनडीए सूत्रों का मानना है कि उन्होंने अपना बदला ले लिया है, क्योंकि उनके बेटे दीपक प्रकाश विधानसभा सदस्य न होते हुए भी राज्य मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। नियमों के अनुसार, प्रकाश को अपनी सीट बरकरार रखने के लिए मई तक राज्य विधानसभा के किसी भी सदन में निर्वाचित होना आवश्यक है। 243 सदस्यीय विधानसभा में उनकी पार्टी के पास उनकी मां स्नेहलता सहित केवल चार विधायक हैं, इसलिए आरएलएम प्रमुख के बेटे को विधान परिषद में सीट हासिल करने के लिए जेडीयू और भाजपा जैसे बड़े सहयोगी दलों के समर्थन पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा। शेष दो सीटें राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी आरजेडी के पास हैं, जिसके पास अब केवल 25 विधायक बचे हैं, जो बहुत कम संख्या है।

बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के चुनाव ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है, जहाँ एनडीए मजबूत स्थिति में है और कमजोर विपक्ष की सीटें छीनने की कोशिश कर सकता है। असली पेंच जदयू में फंसा है, जिसे अपनी 'दो-कार्यकाल' नीति के तहत केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और उपसभापति हरिवंश पर फैसला लेना है, जिससे पार्टी की भविष्य की रणनीति स्पष्ट होगी।

संपादकीय

सुरक्षा कवच में छिद्र

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच-नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी-दर-पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे-सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कर्पनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। अनुचित लाभ उठाने के लिये जाली फॉर्म और फर्जी बैंक खातों का उपयोग किया गया है। निस्संदेह, यदि बीमा कंपनियां सिर्फ मुनाफा कमाती रहीं और किसान को योजना का लाभ पर्याप्त रूप से न मिला, तो निश्चित रूप से किसानों का इस योजना से भरोसा उठ जाएगा। ऐसे में यदि किसान अनियमित मौसम की मार, बढ़ते कर्ज के बोझ और नौकरशाही की बाधाओं से जूझते रहे तो वे योजना का लाभ पाने से वंचित हो जाएंगे।

इबादत का पाक महिना है रमजान!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही रमजान अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका भी है । नमाज के बाद अल्लाह ने जो दूसरी इबादत मुसलमानों के लिए अनिवार्य की है वह है रोजा। रोजे से मुराद ये है कि रमजान के महीने में 30 दिन तक सुबह से शाम तक खाना-पीना नहीं होता। नमाज की तरह ही इबादत रोजा भी अल्लाह के भेजे सभी पैगंबरों के मानने वालों पर फर्ज हैं और आज भी अधिकतर धर्मों में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

वास्तव में इस्लाम का रोजे से तात्पर्य यह है कि बंदा अपना जीवन रब की इच्छा और उसके आदेशों को मानते हुए गुजार दे। साल भर में रमजान महीने के रोजे इसी मकसद का प्रशिक्षण हैं।इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने को रमजान का महीना कहा जाता है। इस महीने में तीस दिनों तक रोजा रखना प्रत्येक मुस्लिम के लिए अनिवार्य बताया गया है। मुसलमानों के लिए यह पाक रोजा का महीना होता है। रोजा के लिए जो अरबी शब्द बोला जाता है, उसे 'सॉम' कहते है,इसका शाब्दिक अर्थ है 'संयम करना।' सॉम शब्द रमजान के महीने की सच्ची भावना को दशार्ता है। जिसमें सूर्योदय से सूर्यास्त होने तक रोजा रखना होता है।

रोजे का मतलब होता है व्यक्ति के मन को अध्यात्म से जोड़ना। जिससे उसके अंदर कृतज्ञता और स्नेह का ऐसा भाव उत्पन्न हो। जिससे व्यक्ति पूरे वर्ष संयम और नियम से चल पाए। सूर्यास्त के एक दम बाद रोजा खोला जाता है। रोजेदार खजूर और पानी के साथ इफ़्तार करते हैं। क्योंकि हजरत मुहम्मद साहब अपना रोजा खजूर और पानी से खोलते थे।

रमजान में मुस्लिम समाज एक अतिरिक्त नमाज पढ़ते हैं जिन्हें तरावीह कहा जाता है। तरावीह की नमाज रात की नमाज के बाद मस्जिद में सामूहिक रूप से पढ़ी जाती है। इस नमाज में पूरा कुरआन रमजान के महीने के अंदर पढ़ा जाता है। रमजान में कुरआन पढ़ने पर अत्यधिक जोर दिया गया है। ताकि प्रत्येक रोजेदार इस पर चिंतन कर सके। आज कल के हालात के चलते विश्वभर के मुस्लिम चिंतित हैं कि वे तरावीह की नमाज कैसे अदा करेंगे। लेकिन यह कोई चिंता का विषय नहीं। हदीस की किताब अल-बुखारी में आता है की इस्लाम के पैगंबर तरावीह की नमाज अकेले घर पर पढ़ते थे, मस्जिद में नहीं।एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है।लेकिन इस बार कोरोना के चलते बिना गले मिले ही दिल से एक दूसरे को दुआएं देंगे तो अच्छा रहेगा। रमजान के बाद आने वाली ईद उल फितर की शुरूआत जगं ए बदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जो खुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है।

रमजान के महिने में हर दिन पाक साफ रहने की हिदायत है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म से जुड़े फिरोज अहमद बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है।

इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं,इच्छाएं,और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी,उत्तेजना और जोश होता है। जिसे जड से तो समाप्त नही किया जा सकता लेकिन नियन्त्रित जरूर किया जा सकता है। इस नियन्त्रण के लिए ही रमजान में रोजो की व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लाह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म नियन्त्रण करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान में एक विशेष नमाज भी अता की जाती है। लेकिन रमजान के दिनो में चूंकि हर रोजेदार अल्लाह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढना वह अपना फर्ज समझता है। रोजा रखने से जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है। वही पांचो वक्त की नमाज पढने से उसकी योगिक क्रियाएं भी हो जाती है। नमाज की शरीरिक स्थिति इस तरह की होती है कि सभी तरह के आसन और प्राणायाम अल्लाह की इबादत में पूरे हो जाते है। ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते समय तकबीर पढे,अल्लाह हु अकबर अल्लाह हु अकबर लाईलाह इल्लाह अल्लाह हु अकबर बडा है अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक नही । सारी तारीफे अल्लाह के लिए है।

ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई देने व लेने में जो खुशी मिलती है उसको जरूर प्राप्त करना चाहिए। ईद की बधाई में सिर्फ मुस्लमान ही नही हिन्दू,सिख और ईसाइ भी शरीक होते है। यह वह त्योहार है जो हमे इंसानियत की सीख देता है। जो दूसरो की भलाई का जज्बा देता है और मुल्क की तरक्की व हिफाजत का जुनून देता है। ईद की खुशी रोजेदारो को तभी से मिलनी शुरू हो जाती है। जब रमजान में रोजेदार मुस्लमानो के साथ साथ दूसरे धर्मो से जुडे लोग भी रोजा इफतार की रस्म में शरीक होकर आपसी भाईचारे व एकता का पैगाम देते है। रोजा इफतार कार्यक्रमो का सिलसिला रमजान में लगातार चलता है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएं भी रोजा इफतार के कार्यक्रम करके रोजेदारो की रोजा ईफतारी कराकर शबाब कमाती है। हमे केवल ओर केवल धार्मिक भावना के तहत ही रोजा इफतारी कराकर रोजेदारो की खिदमत करनी चाहिए और उन्हे तहेदिल से मुबारकबाद देकर भाईचारे में इजाफे की शुरूआत करनी चाहिए। तभी रमजान की खुशी दोगुनी हो सकती है ।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

संतोष कुमार पाठक

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।

दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है।इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है।

विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पदार्फाश कर रहा है।

ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार प्राइवेट विश्विद्यालय और कॉलेजों के सहारे

देश में नई, बड़ी और स्पेशल रिसर्च नहीं करवा सकती क्योंकि इनकी भूमिका और इनके कामकाज का पूरा ढांचा ही संदिग्ध है। एडमिशन से लेकर क्लास और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी कई बार गहरे सवाल खड़े हो चुके हैं। भारत सरकार रिसर्च, इनोवेशन और पेटेंट फाइल करने के नाम पर निजी विभविद्यालयों को जो मोटा फंड देती है, उसकी न्यायिक जांच करवाने का भी समय आ गया है।

दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए।

चिंतन-मनन

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-'हमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

19 फरवरी भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिवस है, जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। यह केवल एक जन्मतिथि का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस अद्भुत अध्याय का उत्सव है, जिसने पराधीनता के अंधकार में स्वराज्य का दीप प्रज्वलित किया। सत्रहवीं शताब्दी में जब भारत का बड़ा भूभाग मुगल सत्ता, विशेषतः औरंगजेब के कठोर शासन के अधीन था, तब सह्याद्रि की पर्वतमालाओं से एक युवा योद्धा ने यह उद्घोष किया कि 'हिंदवी स्वराज्य' केवल स्वप्न नहीं, बल्कि संकल्प है-और उस संकल्प को साकार कर दिखाया।

शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग पर हुआ। उनका नाम भगवान शिव पर नहीं, बल्कि देवी शिवई के नाम पर रखा गया-यह तथ्य ही बताता है कि उनके जीवन की प्रेरणा शक्ति और साहस की आराधना में निहित थी। उनकी माता जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, नीति और राष्ट्रधर्म का संस्कार दिया। दादाजी कोंडदेव के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलित ज्ञान प्राप्त किया। यही संतुलन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बना-वे केवल तलवार के धनी नहीं, बल्कि नीति और दूरदर्शिता के भी अद्वितीय उदाहरण थे।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान हिंदू साम्राज्य की स्थापना है, जिसे उन्होंने 'हिंदवी स्वराज्य' कहा। यह किसी एक संप्रदाय का राज्य नहीं था, बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता और सम्मान का प्रतीक था। उन्होंने छोटे-छोटे किलों से शुरूआत कर एक संगठित मराठा शक्ति का निर्माण किया। तोरणा, रायगढ़, प्रतापगढ़ जैसे दुर्ग केवल पत्थरों की संरचनाएँ नहीं थे, बल्कि स्वराज्य के प्रहरी थे। गुरिल्ला युद्धकला में उनकी दक्षता अद्भुत थी। मुगल सेनापति उन्हें 'पहाड़ी चूहा' कहकर उपहास करना चाहते थे, परंतु वही रणनीति मुगलों की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। वे भूगोल को अपनी शक्ति में बदलने की कला जानते थे-तेजी से आक्रमण, अचानक प्रहार और सुरक्षित वापसी उनकी युद्धनीति का आधार था।

उनकी वीरता का शिखर तब दिखाई देता है जब उन्होंने औरंगजेब की विशाल साम्राज्यवादी शक्ति को खुली चुनौती दी। आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद उनका साहसिक पलायन केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मुगल सत्ता के अहंकार पर करारा प्रहार था। इसके पश्चात उन्होंने 1674 में रायगढ़ में विधिवत राज्याभिषेक कर स्वयं को

'छत्रपति' घोषित किया। यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी प्रतीक थी-सदियों बाद किसी हिंदू राजा का वैदिक विधि से राज्याभिषेक हुआ था।

शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद या पूजा स्थल को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इस प्रकार उनका हिंदू स्वराज्य संकीर्ण नहीं, बल्कि उदार और समावेशी था।

शिवाजी महाराज भारत के उन शुरूआती शासकों में थे जिन्होंने समुद्री शक्ति के महत्व को समझा। उन्होंने एक सशक्त नौसेना का निर्माण किया और कोंकण तट की सुरक्षा सुनिश्चित की। विदेशी आक्रमणकारियों-विशेषतः पुर्तगालियों और सिद्धियोंकृके विरुद्ध यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। यह दूरदर्शिता दशार्ती है कि वे केवल तत्कालीन संघर्षों तक सीमित नहीं थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी भांपने की क्षमता रखते थे।

भारतीय संस्कृति और अस्मिता के लिए उनका त्याग अतुलनीय है। उन्होंने विलासिता का जीवन त्यागकर कठिन संघर्ष का मार्ग चुना। निरंतर युद्ध, षड्यंत्र और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वराज्य केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रश्न है। उन्होंने जनमानस में यह विश्वास जगाया कि विदेशी सत्ता अजेय नहीं है और संगठित प्रयास से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक संदर्भ में यदि हम इस विरासत को देखें, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आज के भारत में शिवाजी के आदर्श कितने प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहा है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की अवधारणाएँ पुनः केंद्र में हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, सशक्त रक्षा नीति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। यहाँ तुलनात्मक विवेचना की जा सकती है, यद्यपि दोनों युगों की परिस्थितियाँ भिन्न हैं।

शिवाजी महाराज ने स्वदेशी सैन्य शक्ति पर भरोसा किया और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से साम्राज्य खड़ा किया। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी भावना का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहाँ रक्षा उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। शिवाजी ने किलों और नौसेना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, आज भारत आधुनिक तकनीक और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। शिवाजी का प्रशासन जनकल्याण और पारदर्शिता पर आधारित थाय समकालीन शासन में डिजिटल पारदर्शिता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और भ्रष्टाचार-नियंत्रण की पहलें उसी आदर्श की झलक देती हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दृष्टि से भी समानता देखी जा सकती है। शिवाजी महाराज ने हिंदू परंपराओं और प्रतीकों को पुनर्स्थापित कर जनमानस में आत्मगौरव जगाया। आज भी भारत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, तीर्थस्थलों के विकास और ऐतिहासिक विरासत के पुनरोद्धार पर बल दिया जा रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवाजी का संघर्ष प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का था, जबकि आधुनिक भारत का संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक संतुलन का है।

फिर भी, तुलनात्मक विवेचना करते समय यह स्मरण रखना चाहिए कि शिवाजी महाराज का युग पूर्णतः भिन्न राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में था। वे एक उभरते हुए स्वराज्य के संस्थापक थे, आज का भारत एक स्थापित लोकतांत्रिक गणराज्य है। अतः समानताओं को प्रेरणा के रूप में देखना चाहिए, न कि पूर्ण समानता के रूप में। शिवाजी की सबसे बड़ी सीख है-साहस, संगठन, दूरदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना। यही मूल्य किसी भी युग में प्रासंगिक रहते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और जनविश्वास से होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नेतृत्व दृढ़ हो तो असंभव भी संभव हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण और राष्ट्रीय जीवन में उतारें। भारतीय अस्मिता का अर्थ किसी के प्रति द्वेष नहीं, बल्कि अपने स्वत्व का सम्मान है-और यही संदेश शिवाजी महाराज के जीवन से हमें मिलता है। उनकी 394वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए हम संकल्प लें कि स्वराज्य की उस भावना को, जिसे उन्होंने सह्याद्रि की घाटियों से जगाया था, हम आधुनिक भारत की प्रगति और वैश्विक नेतृत्व में रूपांतरित करेंगे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ज़िले में यूपी बोर्ड परीक्षा-2026 का आगाज

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में यूपी बोर्ड परीक्षा-2026 का आगाज हो गया है। बुधवार, 18 फरवरी से शुरू हुई यह परीक्षा 12 मार्च तक चलेगी। जनपद में कुल 68 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां हाईस्कूल के 26,583 और इंटरमीडिएट के 24,694 सहित कुल 51,277 परीक्षार्थी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलती है। प्रशासन ने नकलविहीन और शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा में कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से सीसीटीवी के जरिए सभी केंद्रों की लगातार निगरानी हो रही है।जिले को 4 जोन और 12 सेक्टर में विभाजित कर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। साथ ही 6 सचल दल और 3,916 कक्ष निरीक्षक ड्यूटी पर लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है ताकि कोई अनुचित गतिविधि न हो। छात्रों को परीक्षा केंद्र पर तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण आयोजन में प्रशासन पूरी सजगता से जुटा हुआ है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से संबंधित कार्यक्रम की तिथियां संशोधित

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) /उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सर्व साधारण को सूचित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर सर्विस मतदाताओं से सम्बन्धित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से संबंधित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया है। आयोग द्वारा घोषित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सर्विस मतदाताओं से संबंधित निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल को किया जाएगा। अतः जनपद की चारों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (यथा 39-धनौरा (अ०जा०), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर) के संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) तदनुसार अग्रतर कार्रवाई कराना सुनिश्चित करेंगे।

अमरोहा पुलिस द्वारा घर-घर संपर्क कर शिक्षा के प्रति किया जा रहा जागरूक

पुलिस टीम द्वारा ग्राम- श्योनाली में शिक्षा से वंचित तीन बच्चों का आंगनबाड़ी में कराया गया प्रवेश

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत मिशन शक्ति केन्द्र थाना डिडौली पुलिस टीम द्वारा ग्राम-श्योनाली में घर-घर संपर्क कर शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाते हुए शिक्षा से वंचित 03 बच्चों का आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम- श्योनाली, विकासखंड - जोया में प्रवेश कराया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में बुधवार को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला उप निरीक्षक कंचन टोलिया, प्रभारी मिशन शक्ति केंद्र थाना डिडौली द्वारा हेड कांस्टेबल सचिन शर्मा, कांस्टेबल पंकज तथा म0का0 पूजा के साथ ग्राम- श्योनाली में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से उनके बच्चों की शिक्षा के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा उन्हें शिक्षा के महत्व एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए नियमित विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित किया गया। अभियान के क्रम में ग्राम- श्योनाली के कुल 03 परिवारों के 03 बच्चे, जो किसी भी विद्यालय में अध्ययनरत नहीं थे तथा अभिभावक प्रवेश कराने में असमर्थ थे, उनका आंगनबाड़ी केंद्र में विधिवत प्रवेश कराया गया। इस दौरान महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य, महिला सुरक्षा, बालिका शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं के संबंध में भी जागरूक किया गया। थाना डिडौली पुलिस द्वारा इस प्रकार की जनजागरूकता एवं सामाजिक सहयोग की कार्यवाही निरंतर जारी है।

कावड़ यात्रा सकुशल एवं शांति पूर्ण संपन्न होने पर बछरायूं थाने में हवन-पूजन का आयोजन

पुलिस कर्मियों ने की क्षेत्र में शांति व्यवस्था की कामना

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं में महाशिवरात्रि के अवसर पर कावड़ यात्रा सकुशल एवं शांति पूर्ण संपन्न होने के उपलक्ष में थाना परिसर में पुलिस प्रसाशन द्वारा हवन पूजन का आयोजन कराया गया,इस दौरान थाने में विशाल भंडारे का भी आयोजन कराया गया। बता दें कि कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ से हुई। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर सहित सभी पुलिसकर्मियों ने हवन कुंड में आहुति देकर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और जन-कल्याण की कामना की। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान पूरा थाना परिसर 'ओम नमः शिवाय' के उद्घोष से गूंज उठा।पुलिसकर्मियों का मानना है कि ईश्वर की कृपा और सामूहिक प्रयासों के कारण ही इतने बड़े आयोजन को बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सका।हवन के बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें पुलिसकर्मियों के साथ-साथ राहगीरों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में मुख्य रूप से छोला-पूरी, हलवा, चावल, उड़द और मिक्स सब्जी वितरित की गयी।इस दौरान थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने स्वयं अपने हाथों से लोगों को भोजन परोसकर सेवा भाव का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के साथ जुड़कर मानवीय संवेदनाओं को साझा करना भी है।

उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे आयोजन विभाग में सामूहिकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। इस अवसर पर थाने का समस्त स्टाफ एकजुट नजर आया। कार्यक्रम में एस.आई. संजोग तोमर, सुनील यादव, राजकिशोर, प्रवीण कुमार, जुगल किशोर,पारुल, निशा, सुनील कुमार, श्वेता, कल्पना, मनीष, विकास त्यागी सहित अन्य पुलिसकर्मी और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।क्षेत्रीय जनता ने पुलिस के इस आध्यात्मिक और सेवाभावी स्वरूप की सराहना की है।

सीडीओ की अध्यक्षता में किया गया किसान दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने एक-एक करके बिजली, पानी, सड़क, नलकूप, गन्ना भुगतान आदि सहित अन्य संबंधित शिकायतों को उनके समक्ष रखा। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की बैंक से संबंधित किसान भाइयों की जो भी समस्या है उनका निराकरण उचित प्रकार करें। उन्होनें कहा कहा कि जो भी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उनकी जानकारी किसानों को मिले और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा है कि किसानों के समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ मिलें। कहा कि किसान दिवस में जो आज शिकायत आयी है, उनको पारदर्शिता पूर्वक निस्तारण करें, और सीडीओ ने कहा कि समय रहते कार्य को पूर्ण करें और किसानो को अनावश्यक परेशान न होने पड़े। किसान दिवस में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक, गन्ना विभाग पीडब्ल्यूडी इत्यादि विभाग के कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

ऑपरेशन क्लीन 2 के अन्तर्गत थाना अमरोहा देहात में कुल 13 सीज वाहनों को किया गया नीलाम

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 379 वाहनों की जा चुकी हैं नीलामी

अमरोहा (सब का सपना):- अक्सर आपने देखा होगा कि थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं । इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं । जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही की जा रही है। मंगलवार को क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक यादव, थाना प्रभारी शोकेन्द्र बालियान, तहसीलदार रुपक सक्सेना की गठित कमेटी द्वारा थाना अमरोहा देहात में सीज वाहनो के कुल 13 वाहनों की नीलामी थाना अमरोहा देहात परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी । जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल 1,75,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

सम्भल में मरकजी रुयते हिलाल कमेटी की बैठक संपन्न

19 फरवरी, जुमेरात को पहला रोजा — उलमा की मौजूदगी में हुआ ऐलान

सम्भल(सब का सपना):- बुधवार को जनपद सम्भल स्थित मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम में मरकजी रुयते हिलाल कमेटी (रजि.) की महत्वपूर्ण बैठक शहर मुफ़्ती कारी अलाउद्दीन अजमली की सदारत में आयोजित की गई। बैठक में शहर के उलमा, दानिश्वर और विद्वान हजरत मौजूद रहे। सम्भल में चाँद नजर न आने पर देश के विभिन्न शहरों से राब्ता किया गया। कई इलाकों में चाँद नजर आने की खबर-ए-इस्तिफादा के आधार पर उलमा-ए-सम्भल की मौजूदगी में यह ऐलान किया गया कि 19 फरवरी, जुमेरात को पहला रोजा यानी 01 रमजान उल मुबारक होगा। बैठक में विशेष रूप से कारी तंजीम अशरफ अजमली, मुफ़्ती राशिद सकाफी, मुफ़्ती आलम नूरी, इमाम-ए-ईदगाह मौलाना जहीरुल इस्लाम, मौलाना शरीफ अहमद, ख़्वाजा कलीम अशरफ, मौलाना शमशाद मिस्बाही, कारी साजिद, कारी सरताज, कारी शाहिद, हाजी जफीर अहमद, सैय्यद अब्दुल कदीर, फरीद एडवोकेट, मास्टर इस्माईल और तकी अशरफ एडवोकेट सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऐलान के बाद मुस्लिम समुदाय में खुशी का माहौल है और रमजान मुबारक के इस्तकबाल की तैयारियाँ तेज हो गई

20 से लगेगा दो दिवसीय वन टाइम टैक्स मेला

अमरोहा (सब का सपना):- सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अमरोहा वन टाइम टैक्स के लिए 20 व 21 फरवरी को मेले का आयोजन करेगा। विभागीय अफसरों के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने परिवहन कर प्रणाली में बडा बदलाव करते हुए एकमुश्त कर (वन टाइम टैक्स) व्यवस्था लागू की है। इसी नई व्यवस्था की जानकारी देने और नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए 20 और 21 फरवरी को एआरटीओ कार्यालय परिसर अमरोहा में परिवहन मेला आयोजित किया जाएगा। एआरटीओ प्रशासन बबिता वार्मा ने बताया कि पिछले माह उत्तर प्रदेश मोटर यान कराधान अधिनियम, 1997 की धारा-4 की उपधारा में संशोधन किया है। इसके तहत भाड़े या पारिश्रमिक पर चलने वाले दोपहिया वाहन, तिपहिया मोटर कैब, 10 लाख रुपए तक और 10 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मोटर कैब (तिपहिया को छोड़कर), मैक्सी कैब, निर्माण उपकरण व विशेष प्रयोजन वाहन, 3000 किग्रा तक और 3000 से 7500 किग्रा तक के माल वाहन और राज्य परिवहन उपक्रम के सार्वजनिक सेवा वाहन शामिल किए है। नई व्यवस्था का उद्देश्य बार-बार कर भुगतान की जटिल प्रक्रिया से राहत देना, पारदर्शिता बढ़ाना और कर प्रणाली को सरल बनाना है। उन्होंने सभी वाहन स्वामियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों से मेले में भाग लेकर नई व्यवस्था का लाभ उठाने की अपील की है।

भाकियू (टिकैत) द्वारा 'मैसी किसान मिलन समारोह' का किया गया आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन टिकैत द्वारा 'मैसी किसान समारोह' का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के किसानों ने भारी संख्या में भागीदारी की। इस समारोह में किसानों ने अपनी समस्याओं से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि समारोह का आयोजन तहसील क्षेत्र के गांव डींगरा में किया गया। जिसमें भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चीमा ने मुख्य वक्ता के रूप में किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन वे आज भी अपनी फसलों के उचित दाम और समय पर भुगतान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने गन्ने की फसल में बढ़ती लागत और मिलों द्वारा भुगतान प्रक्रिया पर विस्तार से अपने विचार रखे। तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह ने भी किसानों को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।इस अवसर पर सरजीत सिंह चाहल, सौवीर सिंह (धनौरी खुर्द वाले), जयपाल सिंह, कांति प्रसाद शर्मा, रेनू चौधरी, नेमपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, जीशान हैदर, फुलवास सिंह, बिजेंद्र शर्मा, कुलवीर सिंह और ब्लॉक मीडिया प्रभारी बोबी चाहल, कृपाल सिंह यादव सहित कई अन्य किसान नेता और सदस्य मौजूद रहे।समारोह के दौरान किसानों ने एक-दूसरे के साथ खेती के अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों और अनुभवी किसान नेताओं ने गन्ने की नई किस्मों और बीमारियों से बचाव के तरीकों पर भी चर्चा की। ब्लॉक मीडिया प्रभारी बोबी चाहल ने बताया कि ऐसे आयोजनों से किसानों में न केवल जागरूकता आती है, बल्कि आपसी भाईचारा भी मजबूत होता है।कार्यक्रम के अंत में किसानों ने अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी शोषण के विरुद्ध एकजुट होकर आवाज उठाने का संकल्प लिया। समारोह की सफलता को देखते हुए आयोजकों ने सभी आगंतुक किसानों का आभार व्यक्त किया

नगर पंचायत नरौली में धूमधाम से निकली खाटू श्याम बाबा की कलश यात्रा

बांके बिहारी मंदिर पर विधि-विधान से हुई स्थापना, भक्तिमय माहौल में झूमे श्रद्धालु

नरौली/सम्भल(सब का सपना):- जनपद की नगर पंचायत नरौली में खाटू श्याम बाबा की भव्य कलश यात्रा बुधवार को बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कलश यात्रा गाजे-बाजे और भजन-कीर्तन के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई निकली। महिलाएं सिर पर कलश रखकर चल रही थीं, वहीं युवा और बच्चे भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा का समापन बांके बिहारी मंदिर पर हुआ, जहां विधि-विधान से खाटू श्याम बाबा की स्थापना की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

ग्राम मझोला में बंदरों का बढ़ता आतंक ग्रामीणों में दहशत का माहौल

लोगों का घर से निकलना हुआ दुश्वार, कई ग्रामीणों को नुकसान लोग परेशान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम मझोला में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बंदर आए दिन घरों में घुसकर सामान नुकसान पहुंचा रहे हैं और राह चलते लोगों पर हमला कर रहे हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, बंदर अब इतने आक्रामक हो गए हैं कि लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कई ग्रामीणों को बंदरों ने काफी नुकसान पहुंचाया है। बच्चों और बुजुर्गों में खासा डर बना हुआ है। गांववासियों ने बताया कि बंदर न केवल लोगों पर हमला कर रहे हैं, बल्कि कुत्ते के बच्चे को भी रोज मार रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि एक बंदर आय दिन कुत्ते के बच्चे को रोज उठाकर ले जाता है और जब तक नहीं छोड़ता जब तक उसकी मृत्यु नहीं हो जाती लगभग 6-7 कुत्ते के बच्चों को मार चुका है इससे पशुपालकों और आम ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द से जल्द वन विभाग की टीम भेजकर बंदरों को पकड़वाने की व्यवस्था की जाए, ताकि गांव में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके। लोगों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु विशेष शिविर आयोजित योजनाओं की दी जानकारी

सम्भल (सब का सपना):- जनपद के फुलसिंगा गांव में बुधवार को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था प्रयत्न द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। शिविर में प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और अधिक से अधिक पात्र लोगों से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के बारे में विशेष जानकारी दी गई। बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना में आवेदन ऑनलाइन किया जाता है तथा पात्रता के लिए लड़की की आयु 18 वर्ष और लड़के की आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य है।

इसके अलावा कन्या सुमंगला योजना, दिव्यांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाओं के संबंध में भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। शिविर में मौजूद लोगों ने योजनाओं के बारे में जानकारी लेकर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रयत्न संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हेमलता, खुज़िस्ता और हिदायत फातिमा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा मासूम को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक गुमशुदा मासूम बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। बच्चे को पाकर परिजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक कुमार सिद्धू के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को कस्बा रजपुरा बाजार में लगभग तीन वर्षीय एक छोटा बच्चा भटकता हुआ मिला, जो अपना तथा अपने माता-पिता का नाम-पता नहीं बता पा रहा था। राहगीरों द्वारा बच्चे को थाना रजपुरा पर लाया गया। थाना प्रभारी ने तत्काल एक टीम गठित कर आसपास के मोहल्लों में पूछताछ, मीडिया व अन्य माध्यमों से जानकारी जुटाई। काफी प्रयासों के बाद बच्चे के परिजन शहरून पत्नी इंत्याज, निवासी मोहल्ला जारत, कस्बा रजपुरा, थाना रजपुरा, जनपद सम्भल को तलाश किया गया। परिजनों ने बताया कि उनका बच्चा सुबह से लापता था और वे उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस ने बच्चे को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। इस सराहनीय कार्य से क्षेत्र में पुलिस की तत्परता की सराहना की जा रही है।

यादव जी की लव स्टोरी फिल्म पर चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- यादव जी की लव स्टोरी नामक फिल्म को लेकर विवाद गहरा गया है। जनपद में लगातार पिछले कई दिनों से यादव जी की लव स्टोरी फिल्म को लेकर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे जा रहे थे। जिसके क्रम में फिल्म के निमार्ता, निर्देशक, हीरो और हीरोइन सहित चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ज्ञात रहे कि मामला जनपद सम्भल के थाना धनारी में बुधवार को दर्ज हुआ है। गांव भकरौली निवासी अरविंद कुमार द्वारा शिकायत की गई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि फिल्म की सामग्री से यादव समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। समुदाय के लोगों ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिल्म को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, जबकि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

चंदौसी की बेटी ईशिता गुप्ता ने जी मेन्स में लहराया परचम

99.57 परसेंटाइल के साथ जिले में लड़कियों में टॉप, परिवार व शहर का बढ़ाया मान

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- चंदौसी के आवास विकास निवासी दिनेश चंद्र गुप्ता की पौत्री ईशिता गुप्ता ने जेईई मेन्स परीक्षा में 99.57 परसेंटाइल अंक हासिल कर अपने पिता के गृह नगर चंदौसी और पूरे परिवार का नाम रोशन किया है। ईशिता, गाजियाबाद के राजविलास निवासी उमेश चंद्र की पुत्री हैं और वर्तमान में गाजियाबाद स्थित बाल जगत सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा हैं। उन्होंने जिले में लड़कियों में टॉप स्थान प्राप्त किया है। अपनी इस उपलब्धि पर भावुक होकर ईशिता ने कहा, मेरी इस सफलता का श्रेय मेरी माँ शालिनी गुप्ता और मेरी बड़ी बहन प्रिशा को जाता है, जिन्होंने हर कदम पर मुझे मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। उनकी दादी भावना गुप्ता ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा, ईशिता ने मेहनत और लगन से हमारा सिर ऊँचा किया है। चंदौसी की इस बेटी से हमें बहुत उम्मीदें हैं। परिवारजनों व स्थानीय लोगों ने ईशिता की इस शानदार सफलता पर खुशी जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक में 11 मामलों की सुनवाई,दो परिवार एक

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी पर संपन्न हुई। बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रूकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित की गई। इस दौरान पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न आपसी विवादों को काउंसलरों के सहयोग से आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 11 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 4 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 2 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः साथ रहने के लिए राजी कराया गया, जबकि 2 पत्रावलियां आवेदक द्वारा बल न दिए जाने के कारण बंद कर दी गईं। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, उप निरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह एवं रुचि सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के इस प्रयास की सराहना की जा रही है, जो पारिवारिक विवादों को कानूनी प्रक्रिया से पहले आपसी समझदारी से सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई के सभागार में बुधवार को किसान दिवस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र से आये कृषि वैज्ञानिक डॉ. महावीर सिंह द्वारा समस्यामूलक फसलों की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि वर्तमान में जनपद में सरसों, गेहूँ आदि की फसल मुख्य रूप से लगी हैं। उन्होंने गेहूं की फसल के बारे में अवगत कराया कि इस समय गेहूँ की फसल में सर्वाधिक आद्रता व नाइट्रोजन की आवश्यकता होती है। साथ ही जिन किसान भाइयों की जमीन मोटी है उनमें यूरिया डालने का सुझाव दिया। गेहूं फसल में खरपतवार नाशी का इस्तेमाल करने के लिए वाइड स्पेक्ट्रम वीडीसाइड जैसे सल्फोसल्फ्यूरान, आदि का इस्तेमाल करने के लिए सुझाव दिया।यह सभी खरपतवारनाशी कृषि रक्षा ईकाइयों पर 50% अनुदान पर उपलब्ध होने के बारे में भी अवगत कराया गया। गन्ने की फसल में प्रति एकड़ प्रति 150-175 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। साथ ही किसान भाइयों को खेत में यूरिया का अधिक इस्तेमाल होने वाले दुष्प्रभावों से भी अवगत किया गया। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों से भी किसानों को अवगत कराते हुए कहा कि किसान भाई मिट्टी परीक्षण के अनुरूप ही फसलों की बुवाई निर्धारित करें। उन्होंने मक्का एवं सरसों की फसल एवं प्रजाति तथा रोग उपचार आदि पर भी प्रकाश डाला। बैठक में अग्रणी कृषक डॉ० मोहम्मद गालिब द्वारा जनपद में मोती की खेती करने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी सफलता की कहानी को अवगत कराया गया। साथ ही खेत तालाब योजना के तहत निजी तालाब पर मिलने वाले अनुदान की जानकारी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त मोती के वर्तमान बाजार मूल्य व उसकी अधिक पैदावार हेतु किसानों को अवगत कराया गया। जिला गन्ना अधिकारी सम्मल धनीराम द्वारा गन्ना विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं से किसानों को अवगत कराया गया। साथ ही गन्ने की विभिन्न उन्नतशील प्रजातियों, विभाग द्वारा निर्गत कराये जाने वाले अनुदान एवं सहफली योजना के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। ए आर कॉपरेटिव द्वारा किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने वाली खाद, एनपीके० एवं डीएनपीके० की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी एवं वर्तमान में खाद वितरण किये जाने हेतु पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने अवगत कराया गया। उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप पर सोलर पेनल लगवाये जाने को बिजली बिलों में होने वाले धनलाभ के विषय में जागरूक किया। किसानों को पीएम कुसुम योजना के विषय में अवगत कराया गया। साथ ही कृषि विभाग से संचालित अन्य योजनाएं यथा कृषि यंत्रीकरण योजना, मिलेट्स पुनरुद्धार योजना,आदि के लाभों से भी अवगत कराया गया।साथ ही श्री अन्न फसलों के सेवन से होने वाले स्वास्थ लाभों के प्रति भी जागरूक किया गया। बैठक में कृषकों द्वारा जनपद में विभिन्न समस्याओं यथा सहकारी समितियों के कार्यों को प्राइवेट संचालकों के माध्यम से संचालित न किये जाने तथा ग्राम परतापुर के तिराहे पर दुर्घटना की सम्भावना को देखते हुए स्पीड ब्रेकर बनवाने तथा यारा बीरा फर्टिलाइजर फेक्ट्री आउटलेट के माध्यम से फेक्ट्री के 15 किमी के क्षेत्रफल में किसानों के पूर्व में कम्पनी द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को संचालित कराये जाने एवं राई /सरसों को उचित मूल्यों पर क्रय करने हेतु जनपद की मंडियों में क्रय केन्द्र खोले जाने तथा गेहूं के एस एम आई के सेन्टर के स्थान परिवर्तन करवाने ,गुन्नौर क्षेत्र में हेपेटाइटिस सी आदि की दवा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को रखा। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित कृषकों को दैनिक जागरण के माध्यम से चलायी जा रही एएमआर पर प्रहार अभियान नामक पहल हेतु शपथ ग्रहण करायी गयी एवं कृषकों को एएमआर (एंटी माइक्रोबियम रेजिस्टेंस) नामक नवाचार जोकि बिना किसी चिकित्सक के परामर्श लिये लोगों द्वारा स्वयं से एंटीबायोटिक दवाओं के गलत सेवन के कारण रोग उत्पन्न हो रहा है, उसकी रोकथाम हेतु विस्तृत रूप से जागरूक किया गया। साथ ही मोबाइल फोन के अधिक इस्तेमाल से बच्चों एवं बड़ों के स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों हेतु डिजिटल फास्टिंग एवं डिजिटल डिटॉक्स पदति के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा कृषकों को खेती के क्षेत्र में नवाचार यथा मछली पालन, मुर्गी पालन, फल व फूलों की खेती करने के साथ ही दलहनी फसलों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने हेतु जागरूक किया गया एवं गर्भवती महिलाओं के पुष्टाहार पर विशेष रूप से ध्यान आकृष्ट किया गया। जनपद के कृषकों को वर्तमान में बीजों के तेजी से बढ़ते मूल्यों के कारण बीजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने हेतु भी जागरूक किया गया। साथ ही किसानों को रसायनिक खेती के दुष्प्रभावों से सचेत करने हेतु जैविक खेती को अपनाने हेतु निर्देशित किया गया एवं यह भी अवगत कराया गया कि कैंसर जैसी जटिल बीमारी से बचने के लिए जैविक खेती को एक मात्र विकल्प के रूप में अपनाने हेतु जागरूक भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक एवं कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला गन्ना अधिकारी धनीराम तथा कृषि वैज्ञानिक डॉ महावीर सिंह तथा किसान बंधु उपस्थित रहे।

औचक निरीक्षण में डीएम सख्त:- परीक्षा कक्ष में बिना आईडी मिले कर्मी पर जताई नाराजगी

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बुधवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई और लापरवाही पाए जाने पर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। यह परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित की जा रही हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा की शुचिता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सबसे पहले जिलाधिकारी ने राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बिजनौर का निरीक्षण किया। यहां सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक प्रबंध संतोषजनक पाए

गए। कंट्रोल रूम में सभी कैमरे संचालित मिले और परीक्षा कक्षों की निगरानी सुचारू रूप से होती दिखाई दी। इसके बाद डीएम ने आरजीपी इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक परीक्षक बिना पहचान पत्र के पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही एक महिला परीक्षक का पर्स परीक्षा कक्ष में मिलने पर भी आपत्ति जताई गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बिना पहचान पत्र के कोई भी कार्मिक परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करे। परीक्षा कक्ष में परीक्षक सहित कोई भी व्यक्ति बैग या निजी वस्तु लेकर न जाए। सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त की जाएं। तकनीकी व्यवस्था तत्काल सुधारने के निर्देश के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कॉलेज में सीसीटीवी कैमरे तो संचालित मिले, लेकिन उनका रिमोट उपलब्ध नहीं था। इस पर प्रधानाचार्य ने मोबाइल के माध्यम से परीक्षा कक्षों की लाइव स्थिति दिखाई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि रिमोट की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा किसी उपकरण के खराब होने पर उसे तुरंत ठीक कराया जाए, ताकि परीक्षा संचालन में कोई बाधा न आए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रशासन निरंतर निरीक्षण करेगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, बोर्ड पर्यवेक्षक तथा संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बिजली के खंभे से भिड़ी बाइक, 21 वर्षीय युवक की जान गई

बिजनौर (सब का सपना):- मंडावर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब तीनों युवक शादी के निमंत्रण पत्र बांटकर अपने गांव लौट रहे थे। बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान किरतपुर थाना क्षेत्र के गांव आलमपुर उर्फ गंगावाला टांकली निवासी विवेक उर्फ विक्की (21) पुत्र राजपाल सिंह के रूप में हुई है। हादसे में उसके चचेरे भाई अतुल पुत्र योगेंद्र तथा रिश्तेदार मोहित पुत्र नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया गया कि अतुल की

बहन की शादी के कार्ड बांटने के लिए तीनों युवक मंडावर गए थे। गुरुवार को बारात आनी थी और परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। देर रात मंडावर-किरतपुर रोड पर गांव रतनपुर के पास उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि विवेक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर मंडावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

थाना अध्यक्ष सुमित राठी ने बताया कि परिजनों ने किसी कानूनी कार्रवाई से इनकार किया है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। हादसे के बाद परिवार में शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

रमजान का चाँद दिखाई देते ही मुस्लिम समुदाय के लोगो मे खुशी की लहर

गले लगकर रमजान महा की एक दूसरे को दी मुबारकबाद

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बुधवार शाम रमजानुल मुबारक का चांद नजर आया। चांद दिखने के बाद मुस्लिम समुदाय में खुशी का माहौल है। लोगों ने मगरिब की नमाज के बाद चांद के दीदार किए और दुआएं मांगीं। रमजान शुरू होते ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। सहरी के वक्त खाए जाने वाले व्यंजन जैसे फेनी, खजला, खारी बिस्कुट और पापे की दुकानें व फड़ सज गए। इसी तरह इफ्तार के लिए खजूर और अन्य फलों की दुकानों पर भी काफी खरीदारी हुई। रमजान की शुरूआत के साथ ही विशेष नमाज तरावीह भी पढ़ी गई। कई स्थानों पर छह रोजा, दस रोजा शबीन आदि का आयोजन किया गया, जहां नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। रमजान के आगमन पर अनेक मस्जिदों को सजाया गया है। आज गुरुवार को रमजान का पहला रोजा रखा गया। रमजान का महीना इस्लाम में सबसे पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इसी महीने में पैगंबर मोहम्मद साहब को पहली बार अल्लाह की ओर से पवित्र पुस्तक कुरान का ज्ञान (नाजिल) प्राप्त हुआ था।

इस महीने में आत्मशुद्धि, संयम, उपासना, इबादत और गरीबों के प्रति हमदर्दी दर्शाने के लिए पूरे एक महीने तक रोजे रखे जाते हैं। रोजा रखने का उद्देश्य संयम बरतना, बुरी आदतों को छोड़ना और अल्लाह के प्रति श्रद्धा (तकवा) को बढ़ावा देना है।

सख्त निगरानी में यूपी बोर्ड की परीक्षाएं प्रारंभ, प्रथम पेपर में दर्जनों छात्र गैर हाजिर

शेरकोट /बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं बुधवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी निगरानी के बीच शुरू हो गईं। पहले दिन हिंदी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। हालांकि नगर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर हाईस्कूल के 43 और इंटरमीडिएट के 34 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दक्ष आदर्श वैदिक इंटर कॉलेज के केंद्र व्यवस्थापक राजेश कुमार ने बताया कि प्रथम पाली में हाईस्कूल के 264 में से 12 तथा इंटर के 300 में से 3 छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए। वहीं आरयूएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के केंद्र व्यवस्थापक शमशाद हुसैन के अनुसार हाईस्कूल के 358 में से 9 और इंटर के 367 में से 18 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पीजेएम इंटर कॉलेज के केंद्र व्यवस्थापक राजीव कुमार ने जानकारी दी कि उनके केंद्र पर हाईस्कूल के 547 में से 22 तथा इंटर के 597 में से 13 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा निशांत यादव के नेतृत्व में गठित सचल दल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया, लेकिन कहीं भी नकल या अनुचित साधनों के प्रयोग की पुष्टि नहीं हुई। सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल तैनात रहा और परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह शांतिपूर्ण रही।

किसान बसंत कालीन गन्ने के साथ दलहन सह फसलों की खेती का उठाए लाभ

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में गन्ना सहफसली को बढ़ावा देन एफ.पी.ओ.के निदेशक एवं एफ.पी.ओ.के सदस्य किसानों के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें उनको गन्ना सहफसल उत्पादन तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। डा. शिवांगी ने बताते हुए कहा कि बसंतकालीन एवं जायदकालीन गन्ना के साथ उड़द या मूंग की सहफसली खेती एक अत्यधिक लाभदायक कृषि तकनीक है, जो गन्ने की दो पंक्तियों के बीच की खाली जगह का सदुपयोग करती है। इसके लिए फरवरी-मार्च का समय उचित रहता है। किसान गन्ने के साथ दलहन (उड़द/मूंग) की खेती कर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। दलहनी फसलें (उड़द/मूंग) हवा से नाइट्रोजन लेकर मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाती हैं। सहफसली से गन्ने की फसल में खरपतवार कम होते हैं। गन्ने की बुवाई के तुरंत बाद मूंग या उड़द की बुवाई करें, ताकि वे गन्ने के बढ़ने से पहले कट जाएं।

यदि गन्ने की पंक्तियों के बीच 120 सेमी की दूरी रखें, गन्ना की बुवाई ट्रेन्च विधि से करें ताकि सहफसल की दो से तीन कतारों की बुवाई हो।

कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक डा. प्रतिमा गुप्ता गन्ना के साथ हल्दी, अदरक, हरी मिर्च, टमाटर को सहफसल के रूप में लेने की तकनीक बताई। उक्त कार्यक्रम में एफ.पी.ओ. के निदेशक गौरव कुमार ने कहा कि आगे भी कृषकों को ऐसे प्रशिक्षण के.वी.के. पर दिलाया जाता रहेगा।

धनौरा क्षेत्र में दो बाइकों में आमने-सामने की टक्कर में बैंक कर्मी सहित दो की मौत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में बुधवार को गजरौला चांदपुर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वालों में एक बैंक कर्मी भी शामिल है। यह दुर्घटना सड़क किनारे स्थित पेट्रोल पंप के सामने हुई जहां दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसा होत ही मौके पर राहगीरों एवं स्थानीय लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। इसके बाद भीड़ में शामिल लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी ,सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायलों को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया ,जहां डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया, वहीं प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतकों के पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर शवों की पहचान की गई है। दोनों लोगों की मौत के बाद परिवार में चीख पुकार मची हुई है। बता दें कि इस मामले में परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक देवेंद्र पत्थरकुटी गांव के नजदीक एक्सिस बैंक में कार्यरत थे और पिता फतेह सिंह रिटायर्ड दरोगा है। मृतक देवेंद्र परिवार में अकेले ही कमाने वाले थे।बैंक कर्मी के परिवार में पत्नी और 9 साल का बेटा ईशांत है। वहीं मृतक वीरपाल सिंह खेती-बाड़ी का काम कर परिवार का भरण पोषण करते थे ,उनके परिवार में पत्नी प्रीति के अलावा 13 साल की बेटी दिशा और 10 साल का बेटा रिंकू है।दोनों ही युवकों की मौत से परिवार में चीख पुकार मची हुई है वहीं रिश्तेदारों में भी शोक का माहौल व्याप्त है।इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों मोटरसाइकिलें तेज गति से आ रही थीं। रिलायंस पेट्रोल पंप के पास अचानक आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में घायलों को पहुंचाने के बाद इमरजेंसी में कार्यरत डॉक्टर राहुल कुमार ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया में दोनों को सिर में गंभीर चोटें और आंतरिक रक्तस्राव हुआ था। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।हादसे की खबर मिलते ही दोनों मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिचित एकत्र हो गए। परिजन रो-रोकर बेसुध हो गए।स्थानीय लोगों ने बताया कि गजरौला-चांदपुर मार्ग पर अक्सर वाहन तेज रफ्तार में चलते हैं जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से इस मार्ग पर गति नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।मोटरसाइकिलों को कब्जे में ले लिया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में तेज गति और असावधानी को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

अंडरपास की मांग को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- मेरठ पौड़ी हाईवे स्थित हीराज कॉलोनी चौराहे पर अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) नहटौर को सौंपा। संगठन ने अंडरपास निर्माण के साथ ही ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि हीराज कॉलोनी चौराहे पर लगातार बढ़ते यातायात के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पार करने में स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना

पड़ता है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिसके चलते क्षेत्रवासी लंबे समय से अंडरपास निर्माण की मांग कर रहे हैं। संगठन के अनुसार, हीराज कॉलोनी के ग्रामीण पिछले करीब नौ माह से शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कर रहे थे। आरोप लगाया गया कि हाल ही में प्रशासन द्वारा धरना समाप्त कराते हुए कुछ ग्रामीणों पर मुकदमे दर्ज कर दिए गए, जो अन्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। ज्ञापन में दर्ज मुकदमों को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अंडरपास निर्माण जनहित से जुड़ा मुद्दा है और इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की कि संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र सर्वे कराया जाए और निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन व्यापक स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मदनपाल सिंह ने कहा कि किसान संघ जनहित के मुद्दों पर सदैव संघर्ष करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। खंड अध्यक्ष राजेश कुमार एवं मंत्री कुलदीप सिंह ने भी ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की बात कही। ज्ञापन सौंपने वालों में मदनपाल सिंह, राजेश कुमार, कुलदीप सिंह, यशपाल सिंह, मलकीत सिंह, सचिन पवार, कुलदीप राठी, प्रेम सिंह, अनिल त्यागी समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में दंपत्ति की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज

बढ़ापुर /बिजनौर(सब का सपना):- नगीना बढ़ापुर मार्ग पर सड़क दुर्घटना में दंपत्ति की मौत के मामले में दंपति के पुत्र की तहरीर पर पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। बस चालक अभी तक फरार है। जिस कारण पुलिस लगातार बस चालक की तलाश कर रही है। बताया जाता है कि मंगलवार को देर शाम बढ़ापुर नगीना मार्ग पर एक प्राइवेट बस द्वारा सड़क दुर्घटना में दो बाईकों में टक्कर मार देने के कारण एक बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा बाइक सवार घायल हो गया था जिसके चलते हुए मृतक दंपति के पुत्र अफजल की तहरीर पर बढ़ापुर पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज की गई है अफजल द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि उसके माता-पिता अपनी बाइक ग्लैमर से मंगलवार को देर शाम नगीना से अपने घर बढ़ापुर वापस आ रहे थे तैयबपुर मोड के पास सामने से बस लेकर आ रहे बस चालक गजल द्वारा तेजी वाला प्रवाही से बस चलाते हुए विपरीत दिशा में बस ले जाकर उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिस कारण उनकी मौत हो गई। अफजल की तहरीर पर स्थानीय पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 281,125 (इ),106(1),324 में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। परन्तु बस चालक गजाल पुत्र नामालूम निवासी ग्राम रसूलपुर मुजफ्फर उर्फ मुजफ्फरनगर थाना बढ़ापुर अभी भी पुलिस के हत्थे नही लग पाया है। बताते चलें कि बुधवार को दोपहर बाद मृतक दम्पत्ति के शव पोस्टमार्टम के बाद बढ़ापुर पहुँचे तो देखने लिये हुजूम उमड़ पड़ा। बताया जाता है कि बीते कुछ वर्षों पहले ही मृतक दम्पत्ति का पुत्र जो कि विदेश में रहकर मेहनत मजदूरी करता था। उसकी भी मौत हो गई थी। जिसके सदमे से परिवार अब ही निकल पाया था कि अब दम्पत्ति की मौत ने पूरे कस्बे में गमगीन माहौल पैदा कर दिया। देर शाम मृतक दम्पत्ति के शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया गया। इस सम्बंध में थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक दम्पत्ति के पुत्र की तहरीर पर सम्बंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। चालक की गिरफ्तारी के लिये प्रयास किये जा रहे है।

शतरंज प्रतियोगिता में वर्धमान कॉलेज के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

बिजनौर (सब का सपना):- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में कई जनपदों के खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए वर्धमान कॉलेज के खिलाड़ियों ने परचम लहराया। पुरुष वर्ग में सर्वज्ञ, जबकि महिला वर्ग में उनकी बहन श्रेया विजेता बनी। वर्धमान कॉलेज बिजनौर के शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला व पुरुष वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर की प्राचार्या डॉक्टर प्रीति खन्ना ने शतरंज की चाल चलकर किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए वरिष्ठ पत्रकार अवनीश गौड़ का प्राचार्या द्वारा गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में बिजनौर जनपद के अलावा मुरादाबाद व रामपुर जनपद से आये खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की ओर से

डॉक्टर सनी कुमार (गुलाब सिंह डिग्री कॉलेज चांदपुर) को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया, वहीं निर्णायक मंडल में सीनियर नेशनल आर्बिटर विवेक त्यागी, नूतन भारद्वाज, शोभित जैन एवं प्रीति त्यागी रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूर्ण मनोयोग से शह और मात का खेल खेला। इनमें से पुरुष वर्ग में सर्वज्ञ भारद्वाज और महिला वर्ग में श्रेया भारद्वाज ने प्रथम स्थान हासिल किया। ये दोनों ही विजेता वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर के विद्यार्थी है और सगे भाई बहन है। पुरुष वर्ग में सूर्य प्रभाकर रस्तोगी (हिंदू कॉलेज मुरादाबाद) ने द्वितीय, प्रज्ज्वल चौहान (हिंदू कॉलेज मुरादाबाद) ने तृतीय और सुदर्शन शर्मा (वर्धमान डिग्री कालेज बिजनौर) ने चतुर्थ स्थान हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में आशी उज्जवल (वर्धमान डिग्री कालेज बिजनौर) ने द्वितीय, अनुकृति (वर्धमान डिग्री कालेज बिजनौर) ने तृतीय और सानिया श्रीवास्तव (राजकीय रजा कालेज रामपुर) ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

दोनों ही वर्गों में प्रथम चार स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी अब नार्थ जॉन विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता के समापन पर प्राचार्या डा. प्रीति खन्ना व वरिष्ठ पत्रकार अवनीश गौड़ द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डा. जयदीप शर्मा (विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग) ने सभी का आभार जताया। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में डॉक्टर चारुदत्त, डॉक्टर विकास त्यागी, डॉक्टर यश चौहान, डॉक्टर एसके सोन, डॉक्टर प्रशांत सिंह, डॉक्टर कविता डॉक्टर आयुष बघेल डॉक्टर अंचितम गुप्ता आदि का विशेष सहयोग रहा।

लॉरेंस गैंग का बदमाश बॉबी कबूतर गिरफ्तार

नई दिल्ली : पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले रेकी करने वाले कुख्यात बदमाश 'बॉबी कबूतर' को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। फरार चल रहे इस इनामी बदमाश के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं। बॉबी कबूतर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के कई मामलों में वांछित था, जिसमें मकोका और एनआईए के मामले भी शामिल हैं। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बड़े गैंगस्टर के रूप में पहचाने जाने वाले बॉबी कबूतर का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और संगठित अपराधों सहित कई गंभीर आरोप हैं। हाल ही में नदीम ब्रदर्स की हत्या के मामले में इसी बदमाश द्वारा सबसे ज्यादा गोलियां चलाने की बात सामने आई थी। स्पेशल सेल ने दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर से इसकी गिरफ्तारी कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। जांच में पता चला है कि बॉबी कबूतर पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या से कुछ समय पहले वहां मौजूद था। उसने अपने साथी बदमाश शाहरुख के साथ मिलकर गायक की हत्या से पहले इलाके में रेकी की थी। इसी दौरान वह पुलिस की पकड़ से बचकर फरार हो गया था और तभी से वह कानून की नजरों से बचता फिर रहा था। उसकी गिरफ्तारी से सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड से जुड़े कई और अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। स्पेशल सेल की ने गुप्त सूचना के आधार पर दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर पर जाल बिछाया और बॉबी कबूतर को धर दबोचा। उसकी गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है, जिससे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अन्य सदस्यों और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है।

दिल्ली में बकाया मांगने पर स्पा मैनेजर पर दोस्तों ने चलाई ताबड़तोड़ गोलियां

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका सेक्टर-2 स्थित पावर हाउस रेड लाइट के पास एक स्पा मैनेजर पर जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गई। बड़ी मुश्किल से पीड़ित मैनेजर अपनी जान बचा सके। मौके पर पहुंची पुलिस को घटना स्थलस्थल से जिंदा कारतूस और चलाई गई गोलियों के खाली खोखे बरामद हुए हैं। पुलिस ने पीड़ित 27 वर्षीय शमशेर सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज कर, हमले में शामिल लोगों की पहचान और जांच शुरू कर दी है।kशमशेर सिंह द्वारका सेक्टर-7 स्थित हनीबी स्पा में मैनेजर है और मूल रूप से अमृतसर का निवासी है। अपनी शिकायत में शमशेर ने बताया है कि उसपर यह हमला एक दोस्त ने ही किया है, जिस पर उनका बकाया था और उसी रकम को लौटाने को लेकर उनके बीच विवाद हुआ था।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस को दिए बयान में बताया है कि मोहित नामक शख्स पिछले कुछ समय से स्पा में ग्राहक के तौर पर आता था, जिससे उसकी दोस्ती हो गई थी। विवाद तब शुरू हुआ जब मोहित ने स्पा की सर्विस के पैसे देने बंद कर दिए। वह अक्सर शराब के नशे में स्पा आकर स्टाफ के साथ बदसलूकी और गाली-गलौज करता था, जिसका विरोध करने और लिए हुए सर्विस का बकाया मांगने पर उसने शमशेर को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। यह घटना 15 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे की है। आरोपित मोहित ने फोन कर शमशेर को सेक्टर-2 पावर हाउस रेड लाइट पर मिलने के लिए बुलाया। शमशेर जब अपने दोस्तों के साथ स्कूटी से वहां पहुंचा, तो आरोपित अपनी सफेद रंग की कार में साथी मनोज के साथ पहले से मौजूद था।

जबरन गाड़ी में बिठाने की कोशिश

आरोपितों ने पहले शमशेर को जबरन गाड़ी में बिठाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपितों ने मारपीट शुरू कर दीऔर पिस्तौल निकाल धमकी देने लगे। देखते ही देखते आरोपियों ने शमशेर पर गोलियां चलाने लगे। शमशेर और उसके दोस्त अपनी जान बचाने के लिए वहां से भाग निकले। सूचना मिलते ही डाबरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और तीन खाली खोखे मिले हैं। पुलिस ने शमशेर के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस्तेमाल किए गए वाहन को कब्जे में ले लिया है। पर दोनों आरोपित फरार हो गए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर छापेमारी कर रही है।

मौसम का यू-टर्न : दिल्ली-एनसीआर में बादलों का डेरा और बूंदाबांदी

दिल्ली-एनसीआर : दिल्ली-एनसीआर में आज मौसम पलट गया है। फरवरी में ही तेज गर्मी झेल रहे पूरे इलाके को बादलों ने घेर लिया है, कई जगहों पर बूंदाबांदी हुई है। दिल्ली में मौसम विभाग ने बुधवार को मौसम के अधिक खराब रहने की चेतावनी जारी की, जिसके चलते यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान राजधानी के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और बारिश की संभावना जताई। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद समेत एनसीआर के कई इलाकों में बूंदाबांदी देखने को मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में बुधवार को मौसम का मिजाज सबसे ज्यादा खराब रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। दिल्ली के कई इलाकों में बूंदाबांदी की खबरें आ रही हैं। जिसके चलते कई जगहों पर यातायात प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में फरवरी महीने में चटख धूप से तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। इससे फरवरी के महीने में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा। मंगलवार को आसमान साफ रहा और दिन भर तेज धूप निकली रही। हालांकि, सुबह-शाम की हल्की ठंड अभी भी बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान अधिकतम तापमान 30.9 और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 32 प्रतिशत रही। मौसम विभाग के अनुसार, रिज में 12.2, आया नगर में 13.8, लोधी रोड में 12.6 और पालम में 15.3 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया।

हालांकि दिल्ली में होने वाली बारिश से तापमान में ज्यादा कमी नहीं देखी जाएगी। लेकिन, 18 और 19 फरवरी को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं, 18 फरवरी को न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

डीएम और एसपी की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। आगामी पंचायती चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा की ग्राम पंचायतों में भ्रमण करें। निरोधात्मक कार्यवाहियों को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एनडीपीएस, गैंगस्टर, आबकारी आदि पर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। गैंगस्टर के वांछित अभियुक्तों तथा लंबित अभियोग गैंगस्टर, जिला बदर, प्रस्तावित गैंग चार्ट, आदि पर चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गैंगस्टर की कार्रवाई की प्रगति बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में नए गुंडो को चिन्हित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला बदर एवं गुंडा एक्ट के अंतर्गत जो कार्रवाई की गई है उसको संज्ञान में लेते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि की पैमाइश होने के उपरांत जो ठीयाबंदी की जाती है उसके उपरांत उसे हटा दिया जाता है तो इस दिशा में गुंडा एक्ट की कार्रवाई संज्ञान में लाई जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में टॉप टेन अपराधियों के प्रकरण को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि त्योहार रजिस्टर,गुंडा रजिस्टर आदि कार्रवाईयों को भी देखा जाए। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि छेड़खानी के मुकदमे की कार्रवाई उच्च स्तरीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की जाए।आबकारी की कार्रवाइयों को लेकर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। यादव जी की लव स्टोरी मूवी को लेकर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि मूवी से संबंधित को नोटिस जारी किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रात के 10:00 बजे के बाद किसी भी मैरिज होम में डीजे ना बजे इसको प्रत्येक दशा में देख लें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप कुमार, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार एवं उप जिलाधिकारी संभल रामानुज उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, एवं समस्त क्षेत्राधिकारी एवं समस्त थानाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहमति से बने संबंध रिश्ते बिगड़ने पर आपराधिक नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए किसी पुरुष के खिलाफ क्रिमिनल केस करना आम बात हो गई है, जिसमें वे उस पर सहमति से सेक्स करने के बाद जबरदस्ती सेक्स करने का आरोप लगाती हैं। ऐसे ही एक मामले में, आरोपी को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली एक महिला की याचिका पर जवाब देते हुए, दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि सेक्स के दौरान महिला की सहमति सिर्फ इसलिए रद नहीं की जा सकती क्योंकि रिश्ता खराब हो जाता है, जिससे यह एक क्राइम बन जाता है। 'कानून का मकसद असली क्रिमिनल काम को सजा देना'

जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि क्रिमिनल लॉ को ऐसे रिश्तों से होने वाले बदला, जबरदस्ती या निजी फायदे का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कानून का मकसद असली क्रिमिनल काम को सजा देना है, न कि निराशा या टूटी उम्मीदों को सजा देना। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं को खुद को असली सेक्सुअल अब्यूज, जबरदस्ती और गलत व्यवहार से बचाने के लिए सावधान रहना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जब दो बड़े लोग जानबूझकर ऐसे रिश्ते में आने का फैसला करते हैं जो धर्म और रीति-रिवाजों के खिलाफ हो, तो वह फैसला सोच-समझकर और ईमानदारी से लिया जाना चाहिए।

कोर्ट ने यह बात एक ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखते हुए कही, जिसमें एक वकील और उसके रिश्तेदारों को रेप, धोखाधड़ी वाली शादी और दूसरे गंभीर आरोपों से बरी कर दिया गया था। 2022 की शिकायत में, एक महिला वकील ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने सालों तक उसका यौन शोषण किया और अपना धर्म और शादीशुदा होने की बात छिपाई। उसने यह भी दावा किया कि उसे पता चला कि वह पहले से शादीशुदा था।

हालांकि, बरी किए जाने के खिलाफ महिला की याचिका को खारिज करते हुए, बेंच ने कहा कि यह रिश्ता लगभग 11 साल तक चला, इस दौरान सरकारी वकील खुलेआम आरोपी के साथ रहा, कानूनी पढ़ाई की और वकालत की। इस दौरान, वह बिना कोई शिकायत दर्ज किए लोगों से मिलती-जुलती रही।

यह धोखाधड़ी वाली शादी नहीं...

कोर्ट ने माना कि सबूतों से पता चलता है कि सरकारी वकील को आरोपी के धर्म और शादीशुदा होने की बात पता थी, और यह धोखाधड़ी वाली शादी नहीं थी। बेंच ने यह भी कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि जब एक धर्म की महिला दूसरे धर्म के पुरुष से शादी करने का फैसला करती है, तो उसे उसकी पहचान के बारे में पूरी जानकारी होती है। कोर्ट ने कहा कि महिला आरोपी के लिए वकील के तौर पर काम करती थी और उसके साथ कोर्ट में पेश होती थी, इसलिए बाद में यह कहना मुश्किल है कि उसे उसकी धार्मिक पहचान के बारे में पता नहीं था या उसे इस बारे में गुमराह किया गया था।

कई जगह देखा गया चांद, पहला रोजा कल, फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम ने किया एलान

नई दिल्ली : देश में रमजान के पवित्र महीने का पहला रोजा कल यानी गुरुवार को होगा। दिल्ली के चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम मौलाना मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने घोषणा की कि चांद दिखाई दिया है। कल से रोजा रखने की शुरूआत होगी। वहीं जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद शबान बुखारी ने भी चांद दिखने की घोषणा की।

पहले रोजे का सहरी और इफ्तार का संभावित समय

संभावित तौर पर 19 फरवरी 2026 को सहरी का अंतिम समय सुबह 5:35 बजे तक रहेगा। इसके बाद रोजा शुरू हो जाएगा। वहीं, सूर्यास्त के समय यानी करीब 6:15 बजे इफ्तार किया जाएगा। ध्यान रखें कि सहरी और इफ्तार का समय अलग-अलग शहरों के अनुसार कुछ मिनट आगे-पीछे हो सकता है, इसलिए अपने स्थानीय मस्जिद या आधिकारिक कैलेंडर से समय की पुष्टि अवश्य करें।

सऊदी अरब में कल देखा गया था चांद

सऊदी अरब में मंगलवार, 17 फरवरी 2026 को चांद दिखाई देने की आधिकारिक पुष्टि कर दी गई है। इसके साथ ही शाबान का महीना समाप्त हो गया और रमजान 1447 हिजरी की शुरूआत हो गई। सऊदी अरब में मंगलवार रात से ही तरावीह की नमाज अदा की जाती है, जबकि बुधवार, 18 फरवरी को पहला रोजा रखा गया।

डबल डेकर फ्लाईओवर तैयार, ऊपर मेट्रो और नीचे दौड़ेंगे वाहन

ईस्ट दिल्ली। भजनपुरा इलाके में डबल डेकर फ्लाईओवर प्रोजेक्ट का कंस्ट्रक्शन लगभग पूरा हो गया है। इस फ्लाईओवर के ऊपरी हिस्से पर मेट्रो चलेगी, जबकि नीचे से गाड़ियां गुजरेंगी। इससे न सिर्फ भजनपुरा चौराहे पर लगने वाला ट्रैफिक जाम पूरी तरह खत्म हो जाएगा, बल्कि मेट्रो की सुविधा भी मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन कर सकते हैं, जिसके बाद इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

यह प्रोजेक्ट डीएमआरसी के फेज 4 के विस्तार का हिस्सा

डीएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि भजनपुरा और यमुना विहार के बीच बना यह डबल डेकर फ्लाईओवर मजलिस पार्क-मौजपुर मेट्रो कॉरिडोर का हिस्सा है। इस मॉडल में एक ही पिलर पर दो लेवल हैं: ऊपरी हिस्से में मेट्रो ट्रैक और निचले हिस्से में छह लेन का फ्लाईओवर। इसकी खास बात यह है कि फ्लाईओवर के बीच से मेट्रो ट्रैक को बढ़ाया गया है, जो नीचे से एक ही पिलर पर बना है। घनी आबादी वाले इलाके में जमीन की कमी के कारण इस तरह से डिजाइन बनाया गया है। इससे मेट्रो के विस्तार और रोड ट्रैफिक दोनों में एक साथ आसानी होगी।

जाम से राहत की उम्मीद

भजनपुरा, यमुना विहार और आस-पास के इलाकों में लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। खासकर सुबह और शाम के पीक आवर्स में ड्राइवरों को काफी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। फ्लाईओवर के खुलने से यह जाम पूरी तरह खत्म होने की उम्मीद है। इससे भजनपुरा, यमुना विहार, मौजपुर, गंगा विहार, ब्रह्मपुरी और करावल नगर के लाखों लोगों को सीधा फायदा होगा। मेट्रो कनेक्टिविटी मजबूत होने से रोड ट्रैफिक भी आसान होगा, जिससे रोजाना हजारों यात्रियों का समय बचेगा। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह के साथ ही फ्लाईओवर का उद्घाटन भी करेंगे।

मनोज तिवारी, स्थानीय सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि डबल-डेकर फ्लाईओवर प्रोजेक्ट से नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली की तरक्की में तेजी आएगी। भजनपुरा भोपुरा बॉर्डर से सिग्नेचर ब्रिज तक एकमात्र चौराहा था जहां लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता था। इसलिए, यह इलाका खुशकिस्मत है कि यह अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। दिल्ली में जगह बहुत कम है, इसलिए भविष्य में दूसरी जगहों पर भी ऐसे डबल-डेकर फ्लाईओवर देखे जाएंगे।

जाम से राहत की उम्मीद

भजनपुरा, यमुना विहार और आस-पास के इलाकों में लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। खासकर सुबह और शाम के पीक आवर्स में ड्राइवरों को काफी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। फ्लाईओवर के खुलने से यह जाम पूरी तरह खत्म होने की उम्मीद है। इससे भजनपुरा, यमुना विहार, मौजपुर, गंगा विहार, ब्रह्मपुरी और करावल नगर के लाखों लोगों को सीधा फायदा होगा। मेट्रो कनेक्टिविटी मजबूत होने से रोड ट्रैफिक भी आसान होगा, जिससे रोजाना हजारों यात्रियों का समय बचेगा। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह के साथ ही फ्लाईओवर का उद्घाटन भी करेंगे।

एक्यूआई कम होने से ग्रेप-2 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली : दिल्ली में तेज हवाओं और बूंदाबांदी से प्रदूषण में थोड़ी कमी आई है। ऐसे में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 249 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। इसमें मंगलवार की तुलना में 35 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में गुरुग्राम की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 264 दर्ज किया गया, यह हवा की खराब श्रेणी है। वहीं, नोएडा में 232, ग्रेटर नोएडा में 247 और गाजियाबाद में 246 एक्यूआई दर्ज किया गया। हवा की सेहत सुधरने से ग्रेप-2 के प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 166 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। सीपीसीबी के अनुसार, बुधवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 1200 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 3000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, शाम चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 205.6 और पीएम2.5 की मात्रा 99.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूवार्नुमान है कि शुक्रवार को हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच जाएगी।

सिर और कई पसलियों में फ्रैक्चर, सामने आई साहिल की मौत की वजह; नाबालिग के पिता ने कहा सॉरी

नई दिल्ली : फरवरी की शुरूआत में द्वारका में एक बाइक सवार युवक को टक्कर मारने वाली एसयूवी गाड़ी के अंदर से शूट किया गया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में टक्कर का वह पल देखा जा सकता है। हादसे में 23 वर्षीय साहिल धनेशरा की जान चली गई थी। क्रेनियो-सेरेब्रल चोटों के कारण हुए हेमरेजिक झटके से हुई मौत साहिल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि साहिल की मौत बहुत जोरदार हादसे में लगी गंभीर क्रेनियो-सेरेब्रल चोटों के कारण हुए हेमरेजिक झटके से हुई। टक्कर लगने की वजह से उसके सिर, कई पसलियों और कोहनी में फ्रैक्चर हो गया था। पुलिस ने द्वारका दक्षिण थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि 10 फरवरी से बोर्ड की उसकी दसवीं की परीक्षा का हवाला देते हुए उसे अंतरिम जमानत दी गई है। 'मेरे 23 वर्षीय बेटे की जान ली...उधर, सोशल मीडिया पर बाइक सवार साहिल की मां ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि 17 वर्षीय लड़का लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसके पास लाइसेंस नहीं था। 3 फरवरी को दोपहर 12 बजे के आसपास लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के निकट उस कार से दुर्घटना हुई। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि रील बनाने के लिए कथित लापरवाही भरे स्टंट ने न केवल मेरे 23 वर्षीय बेटे की जान ली, बल्कि उससे जुड़े मेरे सारे सपने भी छीन लिए। द्वारका पुलिस अधिकारियों के अनुसार एसयूवी चालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां से उसे एक सुधार गृह भेज दिया गया। बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। वायरल वीडियो में किशोर चालक को गाड़ी मोड़ते हुए और दोनों ओर पार्क की गई कारों वाली सड़क पर घुसते हुए दिखा है, जिसमें बहुत संकरा रास्ता है। कार में मौजूद किशोर चालक की बहन ने यह क्लिप बनाई। अचानक दूसरी लेन पर एक पीली बस नजर आती है और जब कार तथा बस एक दूसरे के पास से निकल रहे हैं, तभी बस के पीछे से एक बाइक आती है और कार एवं बाइक की आमने-सामने से टक्कर हो जाती है। पुलिस ने कहा कि वीडियो की जांच एक अहम सबूत के तौर पर की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना की वजह क्या थी। साहिल धनेशरा की मां ने मांग की है कि नाबालिग ड्राइवर पर एक वयस्क की तरह केस चले और उसके पिता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिन्होंने उसे गाड़ी चलाने की इजाजत दी। नाबालिग के पिता ने हादसे के लिए "सॉरी" कहा साथ ही "अफसोस" भी जाताया। उन्होंने दावा किया कि हादसे वाले दिन वह दिल्ली में नहीं थे। द्वारका साउथ इलाके में नाबालिग की कार से हादसे में एक युवक की मौत के मामले में आरोपी के पिता नरेंद्र सिंह ने बेटे की हरकत पर शर्मिंदा होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हादसा अनजाने में हुआ है। उनके दिल्ली में रहने के दौरान बेटा इस तरह से गाड़ी लेकर नहीं निकलता था। वह भी बच्चे के पिता हैं और बच्चे की मौत के दुख से पूरी तरह वाकिफ हैं। पीड़ित परिवार से बेटे की गलती के लिए माफी मांगी है। पिता ने बताया कि वह घटना वाले दिन दिल्ली में नहीं थे। उन्हें पत्नी और पुलिस से घटना की जानकारी मिली। इसके बाद वह दिल्ली पहुंचे। उन्हें पुलिस ने घटना के बारे में बताया कि आपके बेटे ने बाइक सवार को टक्कर मार दी है,

जिसकी मौत हो गई है। नाबालिग के पिता ने कहा कि उनकी गाड़ी पर जो चालान हैं वह उनके बेटे का नहीं बल्कि उनके चालक का है। उन्होंने कहा कि मेरे दिल्ली में नहीं रहने की वजह से उनका बेटा गाड़ी लेकर बाहर निकला था। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से उनका बेटा डिप्रेशन में है। पुलिस ने हादसे के बाद उसे अदालत में पेश किया था।

टी20 विश्वकप के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गयी है। यहां उसका मुकाबला तीन टीमों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से होगा। सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से होगा। ये मैच अन्य दो मुकाबलों की अपेक्ष कठिन रहेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद में में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रही है। इसलिए इस मैच में दोनो के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है।

आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो के बीच अब तक 35 टी20 मुकाबले अब तक हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 21 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में जीत मिली है, एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। अहम मुकाबलों में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ी है।

वहीं सुपर-8 में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया तक को हराया है। ऐसे में उससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। दोनो के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारतीय टीम को अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से खेलना है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक बीच 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 19 जबकि वेस्टइंडीज ने 10 जीते हैं। एक मैच का परिणान नहीं निकला। दो बार विजेता रही वेस्टइंडीज ने भी इस बार विश्व कप में अब अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह ग्रुप डी में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम को इस मैच में भी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टी20 विश्वकप: अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का संघर्ष जारी है। नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं। 2026 में यह पांचवां मौका है जब वह शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ फिर निराशा

नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय टीम को तेज शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन अभिषेक शर्मा पहली ही चुनौती में असफल रहे। विपक्षी गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें बांधे रखा और वह बिना रन बनाए आउट हो गए। टी20 जैसे फॉर्मेट में ओपनर की भूमिका बेहद अहम होती है। पावरप्ले का फायदा उठाकर तेज रन बनाना टीम की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में बार-बार डक पर आउट होना टीम के संतुलन को प्रभावित करता है।

एक कैलेंडर वर्ष में 5 डक, शर्मनाक सूची में नाम

अभिषेक शर्मा अब 2026 में टी20ढ्ढ में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसके साथ ही वह उन ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार डक का सामना किया है। इस सूची में शीर्ष पर पाकिस्तान के सैम अयूब हैं, जो 2025 में छह बार डक पर आउट हुए थे। इसके अलावा चालोमवोंग चटफैसन (थाईलैंड, 2024), कुशल भुर्टेल (नेपाल, 2024), धर्मा केसुमा (इंडोनेशिया, 2025) और परवेज हुसैन इमोन (बांग्लादेश, 2025) भी पांच-पांच बार डक पर आउट हो चुके हैं। अब अभिषेक का नाम भी इसी रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है।

कतर ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे अल्काराज

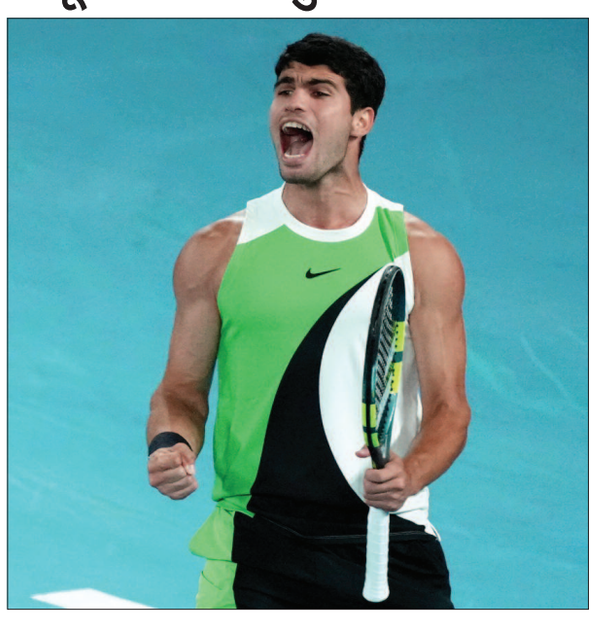

नई दिल्ली (एजेंसी)। दोहा (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अब यहां उनका मुकाबला फ्रांस के वैलेन्टिन रॉयर से होगा।अल्काराज ने इस मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट अंक बचाने के बाद टाई-ब्रेक में जीत दर्ज करके अपना 150 वां मुकाबला जीता है। इससे उत्साहित अल्काराज ने कहा, यह मैच कठिन रहा है। आर्थर एक अच्छा खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले दौर में नहीं खेलना चाहेगा। मुझे खुशी है कि मैं उस कठिन मैच को जीतने में सफल रहा। मेरी जीत का कारण शांत और सकारात्मक रहकर खेलना रहा।

अल्काराज हालांकि यहां पिछली बार क्वार्टर-फाइनल में हार गये थे। अल्काराज का मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है। खाचानोव ने एक अन्य मुकाबले में शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। खाचानोव दूसरे दौर में मार्टन फुकसोविक्स से खेलेंगे। एक अन्य मुकाबले में एंड्री रुबलेव ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग को 6-4, 6-3 से हराया। अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया।

टी20 विश्वकप: पाकिस्तान की नामीबिया पर बड़ी जीत, सुपर 8 के लिए किया क्वालीफाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नाबाद 100) के पहले शतक के बाद स्पिनर शादाब खान (19 रन देकर तीन विकेट) और उस्मान तारिक (16 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के ग्रुप मैच में नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया।

फरहान की 11 चौके और चार छक्के जड़ित 58 गेंद की पारी की बदौलत पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फरहान को 50 से 100 रन तक पहुंचने में महज 20 गेंद लगी। वह विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। पाकिस्तान ने 'मिस्ट्री' स्पिनर तारिक और लेग स्पिनर शादाब के स्पिन जाल से दबदबा बनाते हुए नामीबिया की टीम को 17.3 ओवर में महज 97 रन पर समेट दिया। सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने भी एक एक विकेट झटका। इस तरह नामीबिया का अभियान चारों मैच में हार के साथ समाप्त हुआ।

इस जीत से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अगले चरण के लिए अपना क्वालीफिकेशन भी सुनिश्चित किया जो 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह मेजबानी में खेला जाएगा। यह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम साइम अयूब (14 रन) का विकेट गंवाकर पावरप्ले में महज 47 रन ही बना सकी। पर फरहान ने कप्तान सलमान आगा (38 रन) के साथ मिलकर 67 रन जोड़े जबकि शादाब खान (नाबाद 36 रन) के साथ 81 रन की भागीदारी निभाई।

रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त से उबरते हुए पाकिस्तान ने ख्वाजा नफे को मध्यक्रम में शामिल कर अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी जबकि खराब फॉर्म में चल रहे शाहीन शाह अफरीदी को बाहर किया। पाकिस्तान ने शुरू में रक्षात्मक बल्लेबाजी की जो उनके स्कोर से जाहिर हो रहा है। लेकिन कप्तान सलमान ने नौवें ओवर की शुरुआत में विलेम माइबर्ग की गेंद पर छक्का लगाकर रन गति बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने लांग-ऑन पर एक और छक्का लगाया। फिर अपने कप्तान से प्रेरित होकर फरहान ने लेग-स्पिनर माइबर्ग की गेंद पर डीप मिडविकेट के ऊपर से एक बड़ा छक्का मारा और फिर उनकी गुगली को फिर उसी जगह भेजा।

एक ओवर में तीन छक्कों से पाकिस्तान का रन रेट बढ़ गया। सलमान ने बर्नार्ड शोल्ट्ज की गेंद पर एक और छक्का लगाया। हालांकि सलमान अगले ओवर में जैक ब्रेसेल की गेंद पर गेरहार्ड इरास्मस के हाथों कैच आउट हो गए। नफे ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और इरास्मस की गेंद पर उन्हें ही लपके गए। फरहान ने जिम्मेदारी से खेलते हुए नामीबिया के गेंदबाजों के खिलाफ दबदबा बनाते हुए रन जुटाना जारी रखा और अपना शतक पूरा किया। शादाब ने अंत में इरास्मस पर दो छक्के लगाकर पारी का समापन किया।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ। भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले। भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक टीम कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अफनी जगह पक्की कर ली थी। बासित ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने पार्ट-टाइम गेंदबाज तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को गेंदबाजी दी उससे समझा जा सकता है कि वह पाक टीम की बल्लेबाजी को कितना लचर मानते हैं।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

मुम्बई। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है। उन्हें फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी के साथ-साथ सीईओ और मेंटॉर बनाए जाने की पेशकश की गयी है। गंभीर को इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारतीय टीम का कोच पद छोड़ना पड़ेगा। मुख्य कोच के तौर पर गंभीर का कार्यकाल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप तक है। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का टेस्ट में प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। हालांकि वाइट बॉल क्रिकेट में टीम के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। टेस्ट में खराब प्रदर्शन के चलते अक्सर रेड बॉल क्रिकेट के लिए नए कोच की मांग उठती रही है ।गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में टीम अब तक 19 टेस्ट मैच में 7 में जीत हासिल की है और 10 में हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भारत में आकर टीम इंडिया का टेस्ट में क्लीन स्वीप किया।

टी20 विश्वकप 2026: टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी।

श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उनके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमशः 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलांका, दुशमंथा चमीरा, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंडु मेंडिस, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, पथुम निसांका, मथीशा पथिराना, कुसल परेरा, प्रमोद मदुशन, पवन रथनायके, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा।

टॉप सीड सेरुंडोलो रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंचे

रियो डी जेनेरो। अर्जेंटीना के टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो मंगलवार को अपने ही देश के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने पहले सर्व पर 72 परसेंट पॉइंट जीते और जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 32 मिनट में पांच में से चार ब्रेक पॉइंट बदलकर जीत हासिल की। नवोन ने अपने पहले सर्व पर 67 परसेंट पॉइंट जीते लेकिन 12 ब्रेक पॉइंट मौकों में से सिर्फ दो को ही बदल पाए। इस नतीजे का मतलब है कि सेरुंडोलो एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एक और अर्जेंटीना के थियागो टिरांटे से भिड़ेंगे। सेरुंडोलो के भाई, जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने भी इटली के दूसरे सीड लुसियानो डार्डी पर 6-1, 3-6, 6-4 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 78 सेरुंडोलो ने आठ में से छह ब्रेक पॉइंट बचाए और नेट पर 13 में से नौ पॉइंट लेकर दो घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

एफआईएच प्रो लीग में हार्दिक करेंगे भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेले जाने वाल एफआईएच प्रो लीग मैचों में अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कप्तानी में उतरेगी। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा। इससे पहले भारतीय टीम को राउरकेला में हुए मुकाबलो में अपने सभी चार मैचों में हार मिली थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''राउरकेला में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे पर हमने काफी कुछ सीखा है और खेल में सुधार किए हैं।'' नए कप्तान हार्दिक को दो बार के ओलंपिक खेलों का अनुभव है जिसका टीम को लाभ मिलेगा। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने कहा कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार साल 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेला था। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। कोच ने कहा, ''हमारी नजर बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को तैयार करने पर है।''

भारतीय टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार डिफेंडर- अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लाकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी। मिडफील्डर- राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्ड- अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनिंदर सिंह।

विक्रम राठौर कोच बनने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी में आया बदलाव,

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाया है। उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। राठौर जब से टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं हालात बदले हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज पथुम निशंका ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है उससे ये बात साबित हुई है। उनके मार्गदर्शन में बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल के प्रति उनका रवैया भी बदल रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और आक्रामकता लाने के लिए ही राठौर को अपने साथ जोड़ा है। राठौर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने का काम दिया था। जिस तरह से श्रीलंका ने अभी तक विश्व कप में खेला है वो दिखाता है कि राठौर के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। निशंका की बल्लेबाजी में बदलाव का के पीछे भी राठौर की रणनीतियों को बताया गया है। निशंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही 100 रन लगा दिया था। इस दौरान उन्होंने जमकर चौके और छक्के लगाये। राठौर ने निशंका को पारंपरिक खेल से हटकर नये शॉट्स खेलने के लिए प्रेरित किया जिससे की अधिक से अधिक रन बनें। इसका असर भी दिख रहा है। निशंका का टी20 विश्व कप 2026 में अब तक का स्ट्राइक रेट 192.3 रहा है, जो उनके पहले के आंकड़ों से काफी अच्छा है।.

ऑस्ट्रेलिया से दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कैनबरा (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को कैनबरा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने बारिश की बाधा के बीच ही पहले मैच को डकवर्थ लुइस नियम से जीता था।

भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने चार विकेट लिए थे और वह ये प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगी। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को ही बल्लेबाजी का अवसर मिला।

अब दूसरे मैच में भी शेफाली और मंधाना पर रनों की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं कप्तान सोफी मोलिनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भी वापसी के इरादे से उतरेगी। बराबर करने के लिए बेताब होगी। टीम को बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया: सोफी मोलिनी (कप्तान), ताहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालान कमलिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

फिल्म में कास्टिंग को लेकर दिया हिंट

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। जानिए, प्रियंका ने क्या कहा? और फैंस का इस बात पर क्या रिएक्शन रहा है?

'007 बॉन्ड' सीरीज पर प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं। फैंस सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा को बेस्ट बॉन्ड गर्ल बताने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है। देखना होगा कि क्या सच में वह बॉन्ड गर्ल बनती हैं या नहीं।

विशाल जेठवा ने जताई 'मर्दानी 4' में विलेन बनने की इच्छा

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल की एक्टिंग को फैंस ने काफी सराहा था। वहीं उन्होंने 'मर्दानी 2' में विलेन का रोल निभाया था। अब एक बार फिर विशाल विलेन का रोल निभाना चाहते हैं।

विशाल ने की रानी मुखर्जी की तारीफ

हाल ही में विशाल जेठवा 'मर्दानी 3' की स्पेशल स्क्रीनिंग में रानी मुखर्जी से दोबारा मिले। 'मर्दानी 3' में रानी की एक्टिंग की तारीफ करते हुए विशाल ने कहा, 'मर्दानी 2' फिल्म मेरे लिए हमेशा बहुत खास रहेगी और रानी मैम भी। उनके साथ काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सीखने वाला अनुभव रहा है। वह ईमानदारी, मजबूती और बेहद सादगी के साथ लीड करती हैं। स्क्रीनिंग के दौरान उनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे 'मर्दानी 2' का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व महसूस होता है।' 'मर्दानी' फ्रेंचाइज और रानी की तारीफ करते हुए विशाल ने आगे कहा कि 'मर्दानी' और रानी मुखर्जी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार को रानी मैम से बेहतर कोई निभा ही नहीं सकता था। मैंने 'मर्दानी 3' देखी और एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वे रानी मुखर्जी क्यों हैं। मैं चाहता हूं कि 'मर्दानी 4' में मैं विलेन बनकर वापसी करूं।'

मैं किसी की भी एक्ट्रेस जैसी नहीं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

डाकू में साथ दिखेंगे अदिवि शेष और पवन सिंह

पैन-इंडिया एक्शन फिल्म डाकू में अदिवि शेष और भोजपुरी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर पवन सिंह डांस करते नजर आएंगे। यह गाना तेलुगु, हिंदी और भोजपुरी सिनेमा की एक साथ झलक दिखाएगा। पवन सिंह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, भाई भोजपुरी और तेलुगु जिंदाबाद। बता दें, मृणाल ठाकुर अपनी शूटिंग खत्म कर चुकी हैं और अदिवि शेष ने हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। इसके बाद डाकू इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली एक्शन फिल्मों में शामिल हो गई है। अदिवि शेष के अलावा फिल्म में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि अनुराग कश्यप एक अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन शनील देवो कर रहे हैं। डाकू को सुप्रिया यारलगड्डा ने प्रोड्यूस किया है। जबकि सुनील नारंग इसके को-प्रोड्यूसर हैं और फिल्म को अन्नपूर्णा स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म की शूटिंग एक साथ हिंदी और तेलुगु में की गई है, जबकि इसकी कहानी और पटकथा अदिवि शेष और शनील देवो ने मिलकर लिखा है।

शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस आईं रानी

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' मर्दानी फ्रैंचाइज की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आई हैं। मल्लिका प्रसाद फिल्म में अम्मा के किरदार में नजर आई हैं। फिल्म लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है।

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरेंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।